दैनिक
सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

dainiksandhyaprakash.in

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

वर्ष 52/ अंक 191/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | भोपाल, शनिवार 18 फरवरी 2023 भोपाल से प्रकाशित | ■ आर.एन.आई 22296/71 ■ डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

सांध्यप्रकाश विशेष

मोदी के काम ना होते तो राज्य हमाम में होते

सरयूसुत मिश्रा

राजनीति में विकास की बातें ज्यादा और विकास के काम कम अब पब्लिक का गम बन गया है. विकास पर राजनीति राज्यों में तो कम ही देखने को मिलती है. नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के विकास के काम अगर नहीं होते तो राज्य सरकारों के लिए विकास दिखाना आसान नहीं होता।

राजनीति में मध्यम वर्ग हमेशा पिसता रहा है. नीचे और ऊपर के वर्ग को तो लाभ मिल जाता है लेकिन मध्यम वर्ग अपने भविष्य के लिए बाँट जोहता रहता है. मोदी सरकार ने इस संस्कृति को बदला और आज मिडिल क्लास को विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ सुनिश्चित हुआ है. इन योजनाओं की बहुत चर्चा नहीं होती लेकिन इससे बड़ा क्रांतिकारी बदलाव मध्यमवर्ग के जीवन में आया है. देश में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वालों की बड़ी संख्या मध्यम वर्ग में पहुंच गई है. मोदी सरकार द्वारा आयकर में दी गई छूट को भी मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचाने की बड़ी कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

अगड़े-पिछड़े, दलित-आदिवासी, गरीब के नाम पर हो रही राजनीति के कारण मुफ्तखोरी की योजनाओं को बढ़ावा मिलता रहा. यद्यपि ऐसी योजनाओं पर खर्च की गई राशि का राज्य के विकास पर कोई भी दूरगामी असर नहीं पड़ता. लोगों को निजी लाभ थोड़ा बहुत भले मिल जाए लेकिन जितनी बड़ी राशि खर्च होती है, उतनी राशि यदि विकास पर खर्च की जाए तो उसका लाभ सभी वर्गों को बराबरी के साथ मिलना संभव हो सकेगा।

मोदी सरकार ने ऐसी ही रणनीति पर काम किया है. देश में आज नेशनल हाई-वे और एक्सप्रेस-वे के जाल बिछाए जा रहे हैं. दिल्ली-मुंबई के बीच में बन रहे एक्सप्रेस वे के पहले चरण का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों किया है. आज किसी भी राज्य में स्टेट हाई-वे की स्थिति बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती. अगर नेशनल हाई-वे केंद्र सरकार द्वारा विकसित नहीं किए जाएं तो राज्यों को अपने सड़क नेटवर्क में हुए विकास को दिखाना कठिन हो जाएगा. नेशनल हाईवे और एक्सप्रेस-वे का निर्माण अंतरराष्ट्रीय मापदंडों पर होना भी भारत में विकास के नए दौर का संकेत कर रहा है।

वर्ष 2022 तक मोदी सरकार ने 1.65 लाख किलोमीटर नेशनल हाई वे का निर्माण किया है. दुनिया में अमेरिका के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा रोड नेटवर्क है. मोदी सरकार ने नेशनल हाई वे निर्माण पर एक्सपेंडिचर को 10 गुना से ज्यादा बढ़ाया है. भारत में आज 20 शहरों में मेट्रो नेटवर्क स्थापित हो गया है. देश के लिए यह सुखद स्थिति है कि दुनिया में तीसरे सबसे बड़े मेट्रो नेटवर्क वाले देश के करीब भारत पहुंच रहा है।

मोबाइल डाटा के प्रति व्यक्ति उपयोग के हिसाब से भारत दुनिया में शीर्ष पर है. डाटा रेट भी भारत में तुलनात्मक रूप से कम है. भारत में 80 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता और इंटरनेट यूजर हैं. ऐसी उम्मीद है कि इस साल के अंत तक इन सभी उपभोक्ताओं को 5 प्रतिशत सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

5जी सेवाओं के विस्तार में भारत की यह गति दुनिया में सबसे ज्यादा मानी जा रही है. इसके बाद ऑनलाइन एजुकेशन, टेलीमेडिसिन और गवरमेंट सर्विसेज डिलीवरी में तेजी से विस्तार हो सकेगा. मोदी सरकार द्वारा शहरी विकास की योजनाओं, हाउसिंग ट्रांसपोर्टेशन, नल-जल कनेक्शन और वेस्ट मैनेजमेंट में भी भारी निवेश किया गया है. जिसके परिणाम परिलक्षित होने लगे हैं. आज देश में औसतन 22 घंटे बिजली की आपूर्ति हो रही है जबकि मोदी सरकार के पहले लगभग साढ़े 12 घंटे तक ही आपूर्ति होती थी।

डिजिटल इंडिया की सफलता साफ देखी जा सकती है. भारत में डिजिटल पेमेंट इको सिस्टम दुनिया में सराहा जा रहा है. डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आम और मध्यम वर्ग के जीवन से जुड़ी अनेक सुविधाएं आसानी से हासिल की जा रही हैं. यहां तक की डिजि लॉकर और डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जैसी सुविधाएं भी मध्यम वर्ग को उपलब्ध हुई है।

एजुकेशन और हेल्थकेयर सेक्टर में भी मोदी सरकार की उपलब्धियां सराहनीय कही जा सकती हैं. मोदी सरकार में 363 नई यूनिवर्सिटी 9 सालों में खोली गई हैं. देश में 18 नए ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट (एम्स) और 251 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करके इतिहास रचा गया है. इसके जरिए लगभग 78000 एमबीबीएस और एमडी की मेडिकल सीटें बढ़ी हैं. ग्लोबल रैंकिंग में भारत की 41यूनिवर्सिटी का शामिल होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा सकती है।

आयुष्मान योजना के अंतर्गत इलाज की सुविधा भारत में आम लोगों और मध्यवर्ग के लिए हेल्थ केयर की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सफल हुई है. मोदी सरकार ने एनुअल इन्फ्लेशन पर भी नियंत्रण पाया है. पिछले 8 सालों में एनुअल इन्फ्लेशन 4.6 प्रतिशत रहा है जबकि उसके पिछले 8 सालों में यह 8.7 प्रतिशत था. तमाम अंतरराष्ट्रीय संकटों के बावजूद भी भारत में आर्थिक गतिविधियां न केवल नियंत्रित रहीं बल्कि उनका रुख विकास की तरफ कायम रहा।

मध्यमवर्ग को ऋण में ब्याज की भी रियायत मिली है. मोदी सरकार के पहले स्टूडेंट लोन पर इंटरेस्ट रेट 14 प्रतिशत था जो घटकर 8 प्रतिशत हो गया. लोन के इंटरेस्ट रेट में गिरावट के कारण मध्यम वर्ग द्वारा पढ़ाई के साथ ही अपने अन्य घरेलू सुविधाओं के लिए राशि उपलब्धता में आसानी हुई है. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत मिडिल क्लास के लाखों लोगों को वित्तीय आधार उपलब्ध कराया गया है।

मिडिल क्लास की प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए मोदी सरकार के सिस्टमैटिक अप्रोच के नतीजे दिखाई पड़ने लगे हैं. जिस दिशा में देश आगे बढ़ गया है उसके बाद नए भारत को अपने निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने में अब बहुत समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

आज महाशिवरात्रि पर शिव मंदिरों में जयकारे गूंज रहे हैं। उज्जैन में महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद यह पहली महाशिवरात्रि है। सुबह 3 बजे ही मंदिर के कपाट दर्शन के लिए खोल दिए गए थे। भगवान महाकाल को आज दूल्हा बनाया गया है। सुबह का उनका विशेष श्रृंगार मनभावन राजा रूप था। सुबह 10 बजे हुई आरती में अर्द्धनारीश्वर के रूप में श्रृंगार हुआ। पहली बार महाकाल मंदिर समिति की ओर से नाश्ते में भक्तों को डोसा, नारियल की चटनी, सांभर परोसा गया। दोपहर के खाने में फलाहारी खिचड़ी परोसी जा रही है। ओंकारेश्वर में भगवान ओंकार का फूलों से श्रृंगार हुआ है। मां पार्वती का भी अद्भुत श्रृंगार किया गया। मंदसौर के पशुपतिनाथ में भगवान को फूलों की पगड़ी पहनाई गई है। भोजपुर में भी भक्त बड़ी संख्या में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

देश-प्रदेश में शिवरात्रि की धूम

भगवान शिव की 111 फुट ऊंची 17.50 किलो सोने की प्रतिमा

वडोदरा। वडोदरा की सूरसागर झील के मध्य में विराजमान श्री सर्वेश्वर महादेव की 111 फुट प्रतिमा पर स्वर्ण आवरण चढ़ाने का कार्य पूरा हो गया हैं।इस प्रतिमा को बनाने में 3 वर्ष का समय लगा वहीं इस प्रतिमा के निर्माण में 12 करोड़ रुपए खर्च हुए। और 17-50 किलो सोने से मढ़ी गई हैं। महाशिवरात्रि को प्रतिमा औपचारिक रूप से शहर को समर्पित की जाएगी। इस प्रतिमा को अंकशास्त्र, ज्योतिष, ग्रह विज्ञान, रंग विज्ञान, कंपन विज्ञान और राशि-कुंडली का प्रयोग कर निर्मित किया गया हैं। प्रतिमा की सोने की जड़ाई मूल रूप से ओडिशा के कारीगर राजेंद्र नायक और उनकी टीम द्वारा की गई। अंबाजी,शिरडी साईंबाबा मंदिर समेत देश के करीब 50 धार्मिक स्थलों में राजेंद्र नायक और उनकी टीम ने सोने की परत चढ़ाने का काम किया है। शिवजी की मूर्ति को सोने से मढ़वाने के लिए अमेरिका में बसीं डॉ.किरण पटेल और देश-विदेश के कई दानदाताओं ने सहयोग किया।सूरसागर झील के मध्य में विराजमान श्री सर्वेश्वर महादेव की 111 फुट प्रतिमा, मंच और स्तंभों की संरचना 'अष्टसिद्धि यंत्र' तकनीक पर तैयार की गई है।

मुख्यमंत्री ने किया बड़वाले महादेव का पूजन, रथ खींचा

भोपाल। राजधानी भोपाल के शिव मंदिरों में सुबह से भीड़ उमड़ रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान महाशिवरात्रि पर्व पर भोपाल के बड़वाले महादेव मंदिर पहुंचकर आदि देव भगवान बाबा बटेश्वर की मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना तथा आरती कर जगत के कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हर-हर महादेव- बटेश्वर महाराज की जय- दूल्हे राजा की जय-दुल्हन महारानी की जय के उद्घोष के साथ बाबा बटेश्वर का तिलक कर आरती की तथा रथ खींचकर बारात को प्रस्थान कराया। पुलिस बैंड द्वारा जनरल सेल्यूट दिया गया। पुराने शहर में शिव बारात निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में बाराती के रूप में भक्त शामिल रहे। इस अवसर पर भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, पूर्व महापौर आलोक शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंदिर परिसर में भक्तगण से मिले और उन्हें महाशिवरात्रि पर्व की बधाई दी। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान महादेव से सुख और समृद्धि की कामना की है। भोपाल के गुफा मंदिर में सुबह से कतारें लगी हुई हैं। शहर में एक दर्जन स्थानों पर शिव बारात निकाली जा रही है। और अनेक स्थानों पर सामूहिक प्रसादी वितरण किया जा रहा है।

भोजपुर में शिवभक्तों की भीड़

भोपाल के समीप स्थित ऐतिहासिक भोजपुर मंदिर में आज ओम शिव शक्ति सेवा मंडल की ओर से सवा लाख रूद्राक्ष का वितरण किया जाएगा। मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि इन रुद्राक्षों का वितरण महाशिवरात्रि पर भोजपुर शिव मंदिर पर रखा गया है। साथ ही रुद्राक्ष से शिवलिंग बनाया जाएगा। इस पर्व के मौके पर विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है।

काशी में 3 लाख श्रद्धालु पहुंचे

देशभर में शिव-पार्वती के विवाह उत्सव शिवरात्रि की धूम है। काशी, महाकाल, हरिद्वार, ओंकारेश्वर, सोमनाथ समेत सभी ज्योतिर्लिंगों और छोटे- बड़े शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी। उत्तरप्रदेश के वाराणसी के विश्वनाथ मंदिर में बाबा के दर्शन के लिए पूरी रात भक्त लाइन में लगे रहे। वहां सुबह 10 बजे तक 3 लाख भक्त दर्शन कर चुके हैं। वाराणसी में शुक्रवार की रात को गंगा आरती के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ मौजूद थी। तमिलनाडु के रामेश्वरम में रामानाथस्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं ने महाशिवरात्रि पर्व पर पूजा-अर्चना की। गुजरात के धर्मपुर में 31 लाख रुद्राक्ष से 31.5 फीट ऊंचा रुद्राक्ष शिवलिंग%बनाया गया है। गुजरात के वेरावल में सोमनाथ मंदिर में सोमनाथ मंदिर सुबह 4 बजे से भक्तों के लिए खोला गया। यहां चार घंटे की विशेष पूजा-आरती और महामृत्युंजय यज्ञ किया गया। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में श्री लिंगराज मंदिर में रात से ही श्रद्धालु जमा होने लगे। मंदिर को खूबसूरत रोशनी से सजाया गया है। देवघर में महाशिवरात्रि के दिन बाबा भोलेनाथ की शृंगार पूजा नहीं की जाती है। रात 9 बजे तक मंदिर का पट बंद कर दिया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका से आए 12 चीते कूनो पहुंचे मुख्यमंत्री ने चीतों को बाड़े में छोड़ा

श्योपुर। दक्षिण अफ्रीका से लाए गए 12 चीते शनिवार दोपहर मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क पहुंच गए। इसके बाद इनमें से दो चीतों को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बाड़े में रिलीज किया। बाकी 10 चीतों को भी रिलीज किया जा रहा है। इससे पहले चीतों को लेकर दक्षिण अफ्रीका से निकला विशेष विमान सुबह ग्वालियर एयरबेस पहुंचा था। यहां से इन्हें सेना के 4 चिनूक हेलिकॉप्टर के जरिए कूनो नेशनल पार्क पहुंचाया गया। कूनो आए चीतों में 7 नर और 5 मादा हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा- कूनो नेशनल पार्क में आज चीतों की संख्या बढ़ गई है। मैं प्रधानमंत्री मोदी को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं, यह उनका विजन है। पहले आए चीते पूरी तरह स्वस्थ हैं। चीतों का पुनर्वास पर्यटन और रोजगार की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

चीतों को बाड़े में छोड़ने के लिए सीएम शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव, मध्यप्रदेश के वन मंत्री कुंवर विजय शाह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अफसर कूनो पहुंचे। यहां आने के बाद मुख्यमंत्री के साथ तीनों मंत्रियों ने जिप्सी से चीतों के बाड़े का निरीक्षण किया। इस दौरान ष्टरूसमेत अन्य

मेहमान वाइल्ड लाइफ की जैकेट और कैप पहने हुए दिखे। बता दें कि इससे पहले पिछले साल 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर कूनो में नामीबिया से लाए गए 8 चीते छोड़े गए थे। जो कूनो के बड़े बाडे में बेहतर तरीके से रह रहे हैं। अब दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीते कूनो लाए गए हैं। इनके आने के बाद पार्क में चीतों की कुल संख्या 20 हो जाएगी।

नवाचार करते हुए आगे बढ़ रही है विकास यात्रा: चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विकास यात्रा नवाचार करते हुए लगातार आगे बढ़ रही है। विकास यात्रा में अब तक 24 हजार 518 लोकार्पण तथा 18 हजार 552 शिलान्यास हो चुके हैं और यात्रा में प्राप्त 4 लाख 26 हजार 959 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में पौधा लगाने के बाद मीडिया के प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। विकास यात्रा के दौरान हो रहे नवाचारों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इन्दौर जिले में निराश्रित और मानसिक रूप से बीमार बहनों के लिए होम अगेन केन्द्र खोला गया है। जिसके संचालन की जिम्मेदारी स्वयंसेवी संस्था को सौंपी गई है। इसके साथ ही बुरहानपुर जिले में छात्रावासों के कायाकल्प बेहतर प्रबंधन के लिए छात्रावास कायाकल्प अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कूनो नेशनल पार्क में चीतों के पुनर्स्थापन के संबंध में भी चर्चा की।

पवार की उद्धव को सलाह- फैसला स्वीकारें, नया सिंबल लें

एनसीपी प्रमुख बोले- चिह्न बदलने से फर्क नहीं पड़ता, ठाकरे ने समर्थकों की मीटिंग बुलाई

मुंबई। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने उद्धव को सलाह दी है कि चुनाव आयोग के फैसले को स्वीकार कर लें। शुक्रवार को इलेक्शन कमीशन (ईसी) ने एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना बताया था। ईसीने शिंदे गुट को शिवसेना का नाम और तीर-कमान का निशान इस्तेमाल करने की इजाजत दी थी। उद्धव ने इस पर आपत्ति जताई थी और इलेक्शन कमीशन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही थी।

इस पर शरद पवार ने कहा कि जब कोई फैसला आ जाता है, तो चर्चा नहीं करनी चाहिए। इसे स्वीकार करें, नया चिह्न लें। पुराना चिह्न खोने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि, एनसीपी नेता अजित पवार ने आयोग के इस फैसले को अप्रत्याशित बताया है। अजीत पवार ने पूछा कि ईसी ने फैसला सुनाने में जल्दबाजी क्यों की।

उद्धव ने मीटिंग बुलाई

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आज पार्टी की बैठक बुलाई है। इस बैठक में सभी विधायक, सांसद और नेता शामिल होंगे। यह बैठक मातोश्री में होगी। इलेक्शन कमीशन के फैसले को लेकर उन्होंने शुक्रवार को भाजपा पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लाल किले से लोकतंत्र के अंत की घोषणा करनी चाहिए। उद्धव ठाकरे ने यह भी ऐलान किया है कि वे चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

मोदी पर टिप्पणी करने वाले अमेरिकी कारोबारी पर भड़के जयशंकर

सिडनी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के बिलेनियर कारोबारी जॉर्ज सोरोस को बूढ़ा, अमीर, जिद्दी और खतरनाक बताया है। सोरोस ने पिछले दिनों पीएम नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। कहा था कि वे लोकतंत्रिक देश के नेता है, लेकिन खुद लोकतांत्रिक नहीं है। वो मुसलमानों के साथ हिंसा कर तेजी से बड़े नेता बने हैं। जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सोरोस के बयानों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को लगता है कि अगर उनकी पसंद का व्यक्ति चुनाव जीतता है तो वो चुनाव अच्छा था, लेकिन अगर नतीजा कुछ और निकले तो वो देश के लोकतंत्र में खामियां ढूंढ़ने लगते हैं।

दो दुर्घटनाओं में 7 की मौत, 22 घायल

- सागर में बस पलटी, 4 की मौत, 22 घायल
- देवास में रोड में 3 की मौत

सागर। सागर की निवार घाटी में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां इंदौर से छतरपुर जा रही स्लीपर बस पलटने से एक महिला समेत 4 यात्रियों की मौत हो गई। महिला की पहचान अनामिका (35) पति अभिषेक सोनी के रूप में हुई है। दुर्घटना में 22 अन्य यात्री भी घायल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही बंडा, शाहगढ़, छानबीला थानों की पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कराया।

जानकारी के अनुसार गोल्डन ट्रैवल्स की बस क्रमांक एमपी16-पी1286 शनिवार को इंदौर से सवारियां लेकर छतरपुर जा रही थी। इसी दौरान सुबह करीब 6 बजे छानबीला थाना क्षेत्र में निवार घाटी के मोड़ पर बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीर मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही पुलिस टीमें घटनास्थल पर पहुंची और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। उन्हें एंबुलेंस की मदद से शाहगढ़ स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। दुर्घटना के समय स्लीपर बस में करीब 35 यात्री सवार थे।

देवास में रोड एक्सीडेंट में पति, पत्नी, बेटी की मौत

इंदौर-बैतूल नेशनल हाईवे पर रामनगर (देवास) एक्सीडेंट में पति, पत्नी और बेटी की मौत हो गई। परिवार खातेगांव का रहने वाला है। शिवरात्रि पर नेमावर दर्शन करने जा रहे थे। खातेगांव के राजेश राठौर (50), उनकी पत्नी सुनीता राठौर (45) और बेटी वैशाली (18) बाइक से सुबह नेमावर जा रहे थे। हरदा की ओर से रहे आ रहे चारपहिया वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। तीनों को एंबुलेंस से खातेगांव सरकारी अस्पताल लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के दौरान राजेश और सुनीता ने दम तोड़ दिया। वैशाली को रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। राजेश खातेगांव में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड रिपेयरिंग का व्यवसाय करते थे।

सर्दी बीतते-बीतते फरवरी में ही गर्मी आ गई: देश में कुछ जगह पारा 40 डिग्री तक पहुंचा, यह सामान्य से 9 डिग्री ज्यादा

नई दिल्ली। सूरज ने फरवरी में ही रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। इस बार मौसम ने अजीब करवट ली है। देश के ज्यादातर हिस्सों में सर्दी के बाद बिना बसंत आए ही सीधे गर्मी महसूस होने लगी है। तापमान में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी राजस्थान और गुजरात में दिख रही है। वहां लगभग सभी क्षेत्रों में पारा सामान्य से 9 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा चल रहा है।

देश का औसत अधिकतम तापमान 15 मार्च जैसी स्थिति में पहुंच चुका है। शुक्रवार को गुजरात के भुज में लगातार दूसरे दिन देश का सबसे अधिक तापमान 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। गुरुवार को भुज में 40.3 डिग्री दर्ज हुआ था, जो फरवरी में दर्ज देश का सबसे अधिक तापमान है। शिमला और मसूरी जैसे हिल स्टेशनों पर तापमान सामान्य से 9 डिग्री तक ज्यादा है।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में रीड-अ-थॉन का आयोजन किया

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में गतिविधि का आयोजन भाषा विभाग एवं सेन्ट्रल लाइब्रेरी द्वारा किया गया। रीड-अ-थॉन गतिविधि के दौरान छात्राओ द्वारा महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जीवन पर आधारित पुस्तक द्रौपदी मुर्मू रायरंगपुर से रायसीना हिल्स तक का पठन किया गया और उस पर अपने विचार समीक्षा द्वारा प्रस्तुत किये। यह पुस्तक संत सिध्द भाऊ द्वारा महाविद्यालय की पुस्तकालय में प्रदान की गई है जो छात्राओं में पढने की ललक सुनहरे भविष्य एवं उनके व्यक्तित्व को अनेक गुणों से संवारने एवं जानने में निश्चित ही सहायक होगी। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी इस गतिविधि के दौरान छात्राओं की सराहना की है। इस गतिविधि को दौरान छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। जिसमें प्रथम पुरस्कार आरती मैना, द्वितीय पुरस्कार प्रियकां पांडेय, तृतीय पुरस्कार हुमैरा मंसूरी को प्रदान किया।

थ्रिफ्ट एवं क्रेडिट सोसायटी संचालक मंडल की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय

भोपाल। बी एच ई ई थ्रिफ्ट एवं क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी भोपाल द्वारा संचालक मंडल की बैठक 11 फरवरी को संपन्न इस बैठक में अंश धारकों के भूतों को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिसमें सावधि जमा राशि पर विशेष योजना लागू की गई साथ ही बचत बाजार में उपलब्ध उत्पादों पर विशेष छूट का प्रावधान भी किया गया हालांकि सदस्यों को दिए जाने वाले रोड पर थोड़ी बढ़ोतरी की गई है अध्यक्ष बसंत कुमार ने बताया कि बैठक में सभी अंश धारकों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिए गए

अनाधिकृत कालोनियों के विरूद्ध भी निगम ने कार्यवाही की प्रारंभ

भोपाल। निगम प्रशासन ने शहर में निर्मित/निर्माणाधीन अनाधिकृत कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही प्रारंभ की है और नागरिकों को भी सचेत किया है कि 31 दिसम्बर 2016 के बाद निर्मित/निर्माणाधीन अनाधिकृत कालोनियों में भूखण्डों का क्रय-विक्रय न करें। अनाधिकृत कालोनियों में भूखण्ड खरीदने से पहले नागरिक नगर निगम की भवन अनुज्ञा शाखा तथा संबंधित जोन कार्यालय से कालोनी अनाधिकृत है या नहीं तथा समस्त प्रकार की अनुमतियां प्राप्त की गई है अथवा नहीं के संबंध में जानकारी प्राप्त करें। नगर निगम द्वारा शहर की अनाधिकृत कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही के क्रम में मुख्य नगर निवेशक नीरज आनन्द लिखार के नेतृत्व में निगम के भवन अनुज्ञा शाखा के अधिकारियों/इंजीनियरों के दल ने जोन क्र. 01, 15, 16, 17 एवं 20 के कोलूखेड़ा, भैंसाखेड़ी, मालीखेड़ी, लालघाटी, बैरागढ़, खेजड़ा बरामद, अयोध्या बायपास, ग्राम महोली, भानपुर, जेल रोड, विदिशा रोड एवं करोंद आदि क्षेत्रों का सघन भ्रमण किया और लगभग 22 कालोनियों के निर्माणकर्ताओं के विरूद्ध अनाधिकृत कालोनियों से संबंधित उपबंध के भाग-3 के नीयम 22 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही व एफआई.आर दर्ज कराने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।

दुर्गानगर शिव मंदिर में शिवजी का किया आकर्षक श्रृंगार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

दुर्गानगर शिव मंदिर में शिवजी का श्रृंगार किया गया। महाशिवरात्रि पर बाल युवाओं ने के अध्यक्ष पीयूष सेठी ने भंडारे का आयोजन किया। आज सुबह से ही दुर्गा नगर शिव मंदिर में पूजा करने वालों का श्रद्धालुओं का आना जाना शुरू हो गया था। पीयूष शेट्टी ने बताया कि इस मंदिर का रोज सुबह उठते ही पूजा अर्चना करते हैं और जब से उन्हें अपना इस घर बनाया है शिव मंदिर के बाजू में जब से वह मंदिर की सेवा में लग गए हैं। एक पुजारी के रूप में रोज पीयूसीएटी कार्य करते हैं उनके साथ उनके पिता मोनू सेठी भी पूरा सहयोग करते हैं। बच्चे के साथ रोज मंदिर को दुलमाना और मंदिर के पूजा अर्चना और अपना शिवलिंग की सफाई करना और बच्चों द्वारा रोज इसकी सफाई की जाती है और इस मंदिर का जीर्णोद्धार कर आने वाले रघु रैकवार द्वारा भी इस मंदिर में पूरा सहयोग बच्चों के लिए किया जाता है और शिव बारात निकाली जाती थी। कोविड-19 के बाद अब यह पहला कार्यक्रम बच्चों द्वारा इस मंदिर में शुरुआत की गई है अब इस साल से हर कार्यक्रम मंदिर में किए जाएंगे इस मौके पर मोनू सेठी ने बताया कि इस बार हम देवी जागरण का भी आयोजन करने जा रहे हैं। चैत की नवरात्रि में इस मंदिर में माता दी शिव मंदिर में सुबह से ही दिव्य पुष्कर शिक्षा समिति की अध्यक्ष ममता शेट्टी पूजा अर्चना के बाद इस मंदिर में दिव्या पुष्कर शिक्षा समिति द्वारा हर मंगलवार और सोमवार को देवी जागरण एवं भजन कीर्तन किए जाते हैं।

भोजपुरी एकता ने महाशिवरात्रि पर प्रसादी वितरण

भोपाल। प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी सोनागिरी पेट्रोल पंप चौराहा पर डॉ राजेंद्र प्रसाद भोजपुरी एकता संस्था द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर विशाल प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है डॉ राजेंद्र प्रसाद भोजपुरी एकता संस्था के अध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में समस्त भोजपुरी समाज के भोपाल निवासी बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं पिछले 4 वर्षों में भोले के भक्तों ने इसके प्रति अपार स्नेह दिखाया है यह पांचवा बरस है दिनों दिन भक्तों के अपार स्नेह को देखते हुए इस वर्ष 30000 से अधिक भक्तों को प्रसादी का वितरण किए जाने की व्यवस्था की है इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल सोनागिरी पेट्रोल पंप चौराहा पर बर्फ की शिवलिंग का निर्माण किया जाता है एवं विधिवत पूजन के साथ प्रसादी वितरण का कार्य होता है।

भोजपुर शिव मंदिर प्रांगण में आज से तीन दिवसीय महादेव पर्व

भोपाल। महाशिवरात्रि के अवसर पर मप्र शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से रायसेन जिले के भोजपुर स्थित विश्व प्रसिद्ध शिव मंदिर प्रांगण में 18 फरवरी से 20 फरवरी तक तीन दिवसीय महादेव पर्व आयोजित किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ कार्यक्रम 18 फरवरी को शाम 7 बजे शिव मंदिर प्रांगण भोजपुर में सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी विशिष्ट होंगे तथा सांसद रमाकांत भार्गव एवं भोजपुर विधायक सुरेन्द्र पटवा विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। इस तीन दिवसीय महादेव पर्व में 18 फरवरी से 20 फरवरी तक शाम 7 बजे से शिव मंदिर प्रांगण भोजपुर में लोक गायन, शिव केन्द्रित नृत्य नाटिका, भक्ति गायन तथा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा।

महापौर ने वितरित किए अनुकंपा नियुक्ति पत्र

निगम के दिवंगत कर्मचारियों के 16 आश्रितों को मिली अनुकंपा नियुक्ति

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महापौर मालती राय ने असमय बिछडने वाले निगम परिवार के सदस्यों के 16 आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र प्रदान किए। नगर निगम में वर्ग 03 एवं वर्ग 04 के नियमित वेतनमान में कार्यरत दिवंगत कर्मचारियों के परिवार को आश्रय देने की शासन की नीति अनुरूप मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप दिनांक 29 सितम्बर 2014 के अनुसार निगम द्वारा नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण कर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने के क्रम में निगम के दिवंगत कर्मियों के 10 आश्रितों को वर्ग-03 में सहायक राजस्व निरीक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई है जबकि 05 आश्रितों को वर्ग-04 के सफाई संरक्षक के पद पर तथा 01 आश्रित को मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकंपा नियुक्ति योजना के अंतर्गत विनियमित अकुशल श्रमिक के रूप में नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर महापौर परिषद की सदस्यद्वय सुषमा बाबीसा व जगदीश यादव, उपायुक्त सामान्य प्रशासन विभाग सी.बी.मिश्रा आदि भी मौजूद थे।

वाल्मी में आओ आओ मेरे वसंत, फाग अनंत सीजन-2

भोपाल। मप्र जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान, वाल्मी में आओ आओ मेरे वसंत, फाग अनंत सीजन-2 मनाया जा रहा है। यह कार्यक्रम 18 फरवरी से 19 मार्च, 2023 तक मनाया जाएगा। जोकि सुबह 8 बजे से शुरू होकर दोपहर 3 बजे तक जारी रहेगा। कार्यक्रम कलियासोत डेम स्थित, इकोलोजिकल पार्क यानी वाल्मी हिल्स, भोपाल में आयोजित किए जाएंगे। आओ आओ मेरे वसंत, फाग अनंत सीजन-2, कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में जीवन जीने की श्रेष्ठ शैली को विकसित करना है। इसके अंतर्गत कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जो सशुल्क और निःशुल्क दोनो ही तरह के हैं। इस दौरान, वाल्मी में कई तरह की गतिविधियां होंगी जैसे कि ग्रह, राशि, नक्षत्र के अनुसार पौधों का रोपण, जंगल रोटी, जंगल सफारी, घोड़े व ऊंट की सवारी (सशुल्क) और वाल्मी में नक्षत्र उद्यान का भ्रमण, क्लाइम्बिंग वॉल, स्वास्तिक दर्शन, भूल-भुलैया, हर्बल गार्डन, हैंगिग ब्रिज, इनडोर गेम, अपर हिल्स, टाइगर, मेर और तीतर पाइंट (निःशुल्क) देख सकते हैं।

निगम परिषद अध्यक्ष ने महाविद्यालय में पुरस्कार वितरित किए

भोपाल । निगम परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी के मुख्य आतिथ्य में शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय एम.एल.बी. कॉलेज के वार्षिक स्नेह सम्मेलन अनन्या-2023 का समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सूर्यवंशी ने पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए एवं छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इससे पहले श्री सूर्यवंशी ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बरकत उल्ला विश्व विद्यालय के कुलपति एस.के.जैन महाविद्यालय की प्राचार्या ममता चंसोरिया के अलावा राघवेन्द्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्राएं व महाविद्यालय के प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

निगम परिषद अध्यक्ष ने सफाई व्यवस्था करने के दिए निर्देश

भोपाल। निगम परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने महाशिवरात्रि पर्व पर शहर के मंदिर परिसरों एवं उसके आसपास विशेष साफ-सफाई व्यवस्था करने के निर्देश स्वास्थ्य अधिकारियों को दिए। सूर्यवंशी ने कहा कि हर्षोल्लास के साथ मनाये जाने वाले इस महापर्व पर शहर के मंदिरों, शिवालयों और उसके आसपास व आवागमन के मार्गों पर साफ-सफाई तथा चूना एवं कीटनाशकों का छिड़काव भी किया जाए। सूर्यवंशी ने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि मंदिरों व शिवालयों से निर्माल्य सामग्री एकत्रित कर तत्काल निष्पादन स्थल पर पहुंचाना भी सुनिश्चित करें।

वार्ड 59 में लगेगा विद्युत सब स्टेशन, रहवासियों को मिलेंगे स्थाई पट्टे

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने की बड़ी घोषणा

गोविन्दपुरा विधानसभा क्षेत्र में विधायक कृष्णा गौर ने किए 01 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों हेतु भूमिपूजन, कम्युनिटी हाल का किया लोकार्पण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी एवं लाभ पहुंचाने हेतु प्रदेश में जारी विकास यात्रा चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में विकास यात्रा वार्ड 59 में पहुंची। इस दौरान मंत्री सारंग ने रहवासियों को विकास की कई सौगातें दी। सारंग ने वार्ड 59 में करोड़ों की लागत से सीसी सड़क, पक्की नालियों एवं सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य हेतु भूमिपूजन किया। कार्यक्रम के दौरान सारंग ने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों में हितलाभ प्रमाण पत्र वितरण किया। विकास यात्रा के दौरान मंत्री सारंग पैदल चलकर अन्ना नगर की सकरी गलियों में पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनकर तत्काल उनका निराकरण भी किया। विकास यात्रा के दौरान मंत्री सारंग ने वार्ड 59 अंतर्गत अन्ना नगर बौद्ध विहार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में विद्युत सब स्टेशन लगवाने की घोषणा की। गोविन्दपुरा विधानसभा क्षेत्र में विधायककृष्णा गौर ने वार्ड क्र. 67 में 01 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत से सड़कों के सीमेंट क्रांकीटीकरण व डामरीकरण तथा पार्क में ओपन जिम निर्माण हेतु भूमिपूजन किया तथा 14 लाख रुपये की लागत से निर्मित कम्युनिटी हाल का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्यगण, पार्षदगण, निगम, जिला प्रशासन व अन्य विभागों के अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक मौजूद थे। नरेला विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्र. 59 में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि क्षेत्रवासियों की बिजली की समस्या को दूर करने के लिये अन्ना नगर में सबस्टेशन की स्थापना की जायेगी साथ ही सभी के घरों में बिजली कनेशन भी लगाये जायेंगे। इसी के साथ सारंग ने अन्ना नगर, बौद्ध विहार, पुराना नगर और सुदामा नगर की झुग्गी बस्तियों में निवासरत नागरिकों को स्थाई रहवासी पट्टे दिये जाने की भी घोषणा की।

विकास यात्रा के दौरान मंत्री सारंग अन्ना नगर की सकरी गलियों में पदयात्रा कर जनता से संवाद करने पहुंचे। इस दौरान कई रहवासियों ने गरीबी रेखा राशन कार्ड, संबल कार्ड, वृद्धावस्था एवं दिव्यांग पेंशन से संबंधित समस्याएं मंत्री सारंग के समक्ष रखी। जिस पर मंत्री सारंग ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को अन्ना नगर में तीन दिवसीय शिविर लगाने के निर्देश दिये। इस विशेष शिविर में क्षेत्र के नागरिक बीपीएल राशन कार्ड एवं पेंशन के लिये आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकेंगे। मंत्री सारंग ने विकास यात्रा के दौरान अन्ना नगर के रहवासियों की वृद्धावस्था पेंशन न मिलने की समस्या से अवगत कराया जिस पर सारंग ने अधिकारियों को तत्काल समस्या का निराकरण हेतु निर्देशित किया महज 15 मिनट के भीतर ही तीनों पात्र हितग्राहियों के आवेदन स्वीकार हो गये।

नरेला विधानसभा क्षेत्र: विकास यात्रा के दौरान मंत्री सारंग ने वार्ड 59 अन्ना नगर में करोड़ों की लागत से सीसी सड़क, सामुदायिक भवन निर्माण, बौद्ध विहार, शिव मंदिर, मद्रासी मंदिर, ओम शक्ति मंदिर जयनगर के जीर्णोद्धार हेतु भूमिपूजन किया। इस दौरान रहवासियों की मांग पर मंत्री सारंग ने क्षेत्र में नाले-नालियों के निर्माण एवं स्ट्रीट लाईट लगवाने की भी घोषणा की साथ ही मंत्री सारंग ने राष्ट्रीय परिवार सहायता, मुख्यमंत्री संबल 2.0 सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ प्रमाण पत्र वितरित किये। सारंग ने मुख्यमंत्री संबल 2.0 योजना के दो लाभार्थियों को 2-2 लाख की अनुग्रह सहायता राशि के चेक तथा 07 पात्र हितग्राहियों को को राष्ट्रीय परिवार सहायता अंतर्गत 20-20 हजार रूपये की सहायता राशि का प्रमाण पत्र प्रदान किया। इसके साथ ही मंत्री सारंग ने स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली संस्थाओं एवं नागरिकों को सम्मानित किया।

गोविन्दपुरा विधानसभा: विकास यात्रा के दौरान गोविन्दपुरा विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती कृष्णा गौर ने वार्ड क्र. 67 के विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों के सीमेंट क्रांकीटीकरण, डामरीकरण तथा पार्क में ओपन जिम निर्माण हेतु भूमिपूजन किया। उक्त कार्यों पर लगभग 01 करोड़ 95 लाख रुपये व्यय किए जायेंगे। श्रीमती गौर ने 14 लाख रुपये की लागत से सतनामी नगर में निर्मित कम्युनिटी हाल का लोकार्पण भी किया।

स्कूल शिक्षा में चॉइस फिलिंग से वंचित किए जाने के विरुद्ध हाई कोर्ट का स्टे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जनजाति कार्य विभाग में नियुक्त शिक्षकों को स्कूल शिक्षा विभाग में चॉइस फिलिंग की अनुमति हाई कोर्ट जबलपुर ने प्रदान की। उच्च न्यायालय की अनुमति के बिना परिणाम घोषित नही किए जाएं।आदिवासी विकास विभाग में चयनित और नियुक्त शिक्षकों को स्कूल शिक्षा विभाग में नियुक्ति एवम चॉइस फिलिंग से वंचित या अपात्र किए जाने के विरूद्ध रामेश्वर डांगी उच्च माध्यमिक शिक्षक एवम 15 अन्य शिक्षकों ने उच्च न्यायालय जबलपुर में स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश के विरूद्ध रिट याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय को बताया कि दोनो विभागों के भर्ती नियमों एवं अन्य संसोधित भर्ती नियमों एवम चयन प्रक्रिया को शासित करने वाले आदेशों में ऐसा कोई प्रतिबंध नही है कि आदिवासी विकास में नियुक्त शिक्षक , स्कूल शिक्षा विभाग में नियुक्ति हेतु पात्र नही है। शासन का यह कार्य संविधान के अनुच्छेद 14 एवम 16 उल्लंघन है। आदिवासी विकास में नियुक्त शिक्षक, स्कूल शिक्षा के विभागीय आदेशों के पालन में ही चयन प्रक्रिया में शामिल हुए थे।आदिवासी विकास में नियुक्त शिक्षकों को , स्कूल शिक्षा में नियुक्ति प्राप्त करने हेतु, वैध पात्र होने के उपरांत भी, स्कूल शिक्षा में नियुक्ति हेतु अपात्र करना , एक कृत्रिम वर्ग का निर्माण करना है, जिससे संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है जो कृत्रिम वर्गीकरण को निषिद्ध करता है। मेरिट सूची में उच्च स्थान प्राप्ति के बाद, ऐसा कोई नियम नहीं है, जिससे आदिवासी विकास में नियुक्त शिक्षक, स्कूल शिक्षा में नियुक्ति से वंचित किए जा सकें। सुनवाई के बाद, उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने शासन से जवाब तलब करते हुए, रामेश्वर डांगी एवम अन्य को चॉइस फिलिंग में भाग दिए जाने का अंतरिम आदेश पारित किया है। साथ ही यह आदेश दिया है की कोर्ट की अनुमति के बिना परिणाम घोषित नही किए जावे। कोर्ट का आदेश सिर्फ याचिका कर्ताओं के लिए है।

तकनीकी शिक्षक संघ की ऑनलाइन बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

तकनीकी शिक्षक संघ द्वारा गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन मीटिंग का आयोजन किया, संघ की मीटिंग की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष प्रोफेसर उदय चौरसिया द्वारा किया गया। प्रोफेसर चौरसिया ने बताया गया संघ के लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है कि प्रदेश की एकमात्र तकनीकी विश्वविद्यालय कुलपति तकनीकी शिक्षक संघ को संबोधित कर रहे हैं। प्रोफेसर उदय चौरसिया ने बताया की तकनीकी शिक्षक संघ न केवल तकनीकी शिक्षकों की समस्या एवं मांग रखता है बल्कि वह तकनीकी शिक्षा के विकास के लिए भी है। इस मीटिंग में कुलपति राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल प्रोफेसर सुनील गुप्ता ने बताया कि सत्र 2022 -23 से राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर दी गई है उन्होंने यह भी बताया संपूर्ण भारत में तकनीकी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल प्रथम विश्वविद्यालय संपूर्ण देश में बना एवं विश्वविद्यालय इस उपलब्धि पर गौरवान्वित महसूस कर रहा है उन्होंने अपने उद्बोधन में यह भी बताया की संपूर्ण भारत में हिंदी में इंजीनियरिंग की किताबों के लिए ऑल इंडिया काउंसिल आफ टेक्निकल एजुकेशन इंडिया ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को यह दायित्व दिया है , या किसी भी विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है, उन्होंने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत मल्टीपल एंट्री एवं एग्जिट सिस्टम की बात की जिसमें छात्रों को इसका लाभ मिलेगा जो छात्र किसी कारण वर्ष अपनी पढ़ाई छोड़ देते हैं तो उन्हें पढ़ने का अवसर पुनः प्राप्त होगा द्य प्रोफेसर सुनील कुमार ने बताया कि अपनी रूचि के अनुसार अपने विषय पढ़ सकेंगे उदाहरण के तौर पर

उन्होंने बताया की इलेक्ट्रिकल ब्रांच का छात्र चाहे तो अपने ब्रांच के साथ-साथ कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग ब्रांच के विषय भी पड़ सकता है द्य इसी प्रकार किसी भी ब्रांच का छात्र अन्य ब्रांच के विषयों को अपनी रुचि अनुसार पड़ सकता है उन्होंने यह भी बताया कि प्रथम वर्ष में थ्योरी सब्जेक्ट पढ़ेंगे। द्वितीय वर्ष में केवल रिसर्च पर छात्रों का ध्यान रहेगा या यह कहें की केवल एमटेक थिसिस दितीय वर्ष में पढ़ेंगे द्य प्रोफेसर सुनील गुप्ता सर ने बताया की राष्ट्रीय शिक्षा नीति छात्रों को ध्यान में रखकर के बनाई गई है एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्णता छात्र ओरिएंटेड है।

समाज के नवनिर्माण में योगदान दे रही पुलिस: राज्यपाल

ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट में मध्य प्रदेश ने जीतीं तीन ट्रॉफी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्र की प्रगति, सुरक्षा की नींव पर आधारित है और देशवासियों की सुरक्षा के लिए हमारी पुलिस सदैव तत्पर है। मध्यप्रदेश में पुलिस बल ने सामाजिक सरोकारों को अपनी जिम्मेदारियों में शामिल कर देश में मिसाल कायम की है। पुलिस कानून-व्यवस्था एवं अपराध अनुसंधान की अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हुए समाज के नवनिर्माण में भी सहयोग प्रदान कर रही है। इन सद्प्रयासों के लिए मध्यप्रदेश पुलिस प्रशंसा की पात्र है। राज्यपाल श्री पटेल भोपाल के लाल परेड मैदान स्थित मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित 66वीं ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से आए पुलिस अधिकारियों को 66वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट में प्रतिभागी के रूप में देखकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई। देशभर से अनेक राज्यों एवं केंद्रीय पुलिस बलों के प्रतिनिधियों एवं प्रतिभागियों का आतिथ्य करने का अवसर मध्यप्रदेश को प्राप्त हुआ, यह हमारे लिए सौभाग्य और गौरव की बात है। सभी प्रतिभागियों को हार-जीत से ऊपर उठकर कौशल उन्नयन के लिए अभ्यास करने एवं बेहतर प्रदर्शन करने के लिए मंच उपलब्ध हो पाया है।

प्रतिस्पर्धाएं बहुत समसामयिक एवं बेहद उपयोगी: पुलिस अनुसंधान प्रणाली में कौशल उन्नयन की दृष्टि से ये सभी प्रतिस्पर्धाएं बहुत समसामयिक एवं बेहद उपयोगी है। अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट में आयोजित प्रतिस्पर्धाओं के माध्यम से आप सभी ने वैज्ञानिक और तकनीकी विधाओं और अपने सफल और श्रेष्ठ अनुभवों का आदान-प्रदान करते हुए एक-दूसरे से काफी कुछ सीखा होगा। आशा है कि आप अपने-अपने राज्यों की समग्र पुलिस व्यवस्था में उसका प्रसार कर पुलिस कार्यप्रणाली को उन्नत व समृद्ध बनाएंगे और तकनीकी ज्ञान युक्त व्यावसायिक दक्षता का परिचय देते हुए कार्य करेंगे।

पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा को बरकरार रखने में सभी पुलिसकर्मियों ने जो दक्षता हासिल की है, इस पुलिस ड्यूटी मीट में हमें उसका बखूबी प्रदर्शन देखने को मिला है। यह प्रसन्नता का विषय है कि देश के 19 राज्यों की पुलिस और 5 सुरक्षा बलों के 1107 प्रतिभागियों ने सभी प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर हर कसौटी को पार किया है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन से गहरी छाप छोड़ी: इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली सभी राज्यों की पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की टीमों व खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के दौरान अपेक्षा के अनुरूप पूरी तरह अनुशासित रहकर खेल भावना का परिचय दिया साथ ही अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से गहरी छाप छोड़ी है। मैं विभिन्न राज्यों से आए सभी प्रतिभागियों और उनके मैनेजरों को इस पुलिस ड्यूटी मीट के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद देता हूं। साथ ही मध्यप्रदेश पुलिस के आप सभी साथियों को भी बधाई देता हूं, जिन्होंने इस राष्ट्र स्तरीय आयोजन को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

अखिल भारतीय पुलिस खेल कंट्रोल बोर्ड के निदेशक के प्रतिनिधि हरिनाथ मिश्रा ने कहा कि असामाजिक व राष्ट्रविरोधी तत्व आधुनिक तरीकों का उपयोग कर अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस द्वारा उन्नत तरीकों का उपयोग कर और तकनीकी रूप से मजबूत और दक्ष होकर अपराधियों को उचित जवाब देना आज समय की जरूरत है। ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट के माध्यम से सभी राज्यों की पुलिस को एक-दूसरे राज्यों की तकनीक समझने और स्वयं को अद्यतन करने का अवसर मिलता है। ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट का वर्ष 1953 से सभी को एक साथ लाने और क्रियाकलाप साझा करने के लिए आयोजित की जा रही है। शुरूआत में सिर्फ राइफल और रिवॉल्वर शूटिंग का आयोजन होता था। बाद में वर्तमान में आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं को इस मीट में आयोजित किया जाने लगा। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि आज प्रधानमंत्री का जीवन रक्षक पदक भी बहादुर जवानों को प्रदान किए गए। एआईपीडीएम की मेजबानी के लिए मैं, मध्यप्रदेश पुलिस का आभार व्यक्त करता हूं। यह आयोजन मध्यप्रदेश के सभी पुलिसकर्मियों के परिश्रम का परिणाम है। मैं एआईपीडीएम में आयोजित प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को बधाई देता हूं।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति: 66वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट के समापन समारोह में पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना ने मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय पुलिस खेल कंट्रोल बोर्ड के निदेशक के प्रतिनिधि हरिनाथ मिश्रा का स्मृति चिह्न भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान एडीजी (एससीआरबी) चंचल शेखर, स्पेशल डीजीपी जीपी सिंह, एडीजी एसएएफ साजिद फरीद शापू, डीआईजी कृष्णा वेणी देसावतु के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के रिटायर्ड पुलिस अधिकारी, पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

66वीं ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट में मध्यप्रदेश पुलिस के प्रतिभागियों का शानदार प्रदर्शन रहा। मध्यप्रदेश पुलिस को विभिन्न स्पर्धाओं में 3 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य पदक प्राप्त हुए। कुल 10 पदक प्राप्त कर मध्यप्रदेश पुलिस तीसरे स्थान पर रहा। हालांकि स्वर्ण पदक हासिल करने में मध्यप्रदेश को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। इसमें एंटी सबोटेज इवेंट के अंतर्गत ग्राउंड सर्च प्रतियोगिता (व्यक्तिगत) में आरक्षक मानवेंद्र सिंह को स्वर्ण पदक मिला। वहीं कंप्यूटर अवेयरनेस इवेंट के अंतर्गत कंप्यूटर अवेयरनेस (लेखन) प्रधान आरक्षक यश पाल और डॉग स्क्वाड इवेंट के अंतर्गत एक्सप्लोसिव डॉग इवेंट में चिंकी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। तीन ट्रॉफियां भी मध्यप्रदेश ने अपने नाम की, जिनमें साइंटिफिक ऐड्स टू इंवेस्टिगेशन में हार्डलाइन, पुलिस वीडियोग्राफी में रनर अप और डॉग स्क्वाड के सभी इवेंट में बेस्ट डॉग (चिंकी) की ट्रॉफी जीतीं। तमिलनाडु को प्रतियोगिता में 11 पदक मिले, जिनमें 8 स्वर्ण, 1 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं दूसरे स्थान पर रही महाराष्ट्र पुलिस को 11 पदक मिले, जिनमें 1 स्वर्ण, 4 रजत और 6 कांस्य पदक प्राप्त हुए।

प्रधानमंत्री जीवन रक्षक पुलिस पदक: यह पदक सभी पदस्थ पुलिस कर्मियों के द्वारा जरूरतमंदों को सहायता एवं सेवा हेतु उत्साहवर्धन के लिए दिया जाता है। विपरीत परिस्थितियों में जान बचाने में साहस और तत्परता का प्रदर्शन करने वाले बहादुर पुलिस जवानों को प्रधानमंत्री जीवन रक्षक पदक दिया जाता है। 66वीं ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट के दौरान 10 प्रधानमंत्री जीवन रक्षक पुलिस पदक प्रदान किए गए।

प्रतिभागियों को समारोह में प्रदान किए गए मेडल : 66वीं ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें हिस्सा लेकर प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा और दक्षता का परिचय दिया। इस दौरान विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने प्रतिस्पर्धा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने कौशल का प्रदर्शन किया। ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट के दौरान भोपाल के विभिन्न स्थानों पर साइंटिफिक ऐड्स टू इन्वेस्टिगेशन, कम्प्यूटर अवेयरनेस, पुलिस फोटोग्राफी, पुलिस वीडियोग्राफी, पुलिस डॉग स्क्वाड और एंटी सबोटेज चेक इवेंट्स के अंतर्गत विभिन्न प्रतिस्पर्धाएं हुईं।

सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास विकास यात्रा का मूल भाव है: गोविंद सिंह राजपूत

राजस्व एवं परिवहन मंत्री ने किया करोड़ों के विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण, ग्राम वासियों ने किया विकास यात्रा का स्वागत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चंद्रापुर, पिपरिया, चकरपुर, सेमराझिला, बरखेड़ा तथा करैया शुक्रवार को विकास यात्रा पहुंची, जहां ग्रामीणों ने विकास यात्रा का पुष्पमाला उसे स्वागत किया। इस अवसर पर राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कन्या पूजन कर विकास यात्रा के दौरान करोड़ों की विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण करते हुए क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक सौगातें दी। इस अवसर पर राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में भाजपा विकास का पर्याय बन चुकी है। हर तरफ विकास कार्यों की गति देखकर लोग भाजपा को विकास का पर्याय कहने लगे हैं। यह सोच भाजपा की ही है कि वर्ग जाति धर्म से ऊपर उठकर जनकल्याणकारी योजनाएं बनाए, योजनाओं को बनाने के साथ ही जमीनी स्तर पर उनका कितना फायदा लोगों को हो रहा है जिसे देखने के लिए मुख्यमंत्री जनसेवा शिविर तथा विकास यात्रा जैसे कार्यक्रम भाजपा द्वारा कराए गए। जिसमें अधिकारी कर्मचारी हर गांव में पहुंचकर लोगों की समस्याओं का निपटारा उन्हीं के गांव में कर रहे हैं ,जिससे हर व्यक्ति को उसके गांव में ही शासकीय योजनाओं का लाभ मिल रहा है। भाजपा की विकास यात्रा का मुख्य उद्धेश्य शासन द्वारा चलाई जा रही जन हितैषी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाना तथा हर व्यक्ति को शासन की योजनाओं से जोड़ना है।

सुरखी विधानसभा के हर गांव का हो रहा शहरों के तर्ज पर विकास: राजपूत ने कहा कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र में एक समय था कि मूलभूत आवश्यकताओं के लिए भी क्षेत्रवासी परेशान थे। सुरखी की विधानसभा क्षेत्र के अधिकतर गांव पक्की सड़कों से नहीं जुड़े थे, जिसके कारण उन ग्रामीण क्षेत्रों का विकास रूका हुआ था। न तो वहां रोजगार था और न ही उस क्षेत्र में लोग जाना चाहते थे लेकिन अब सुरखी विधानसभा क्षेत्र के हर गांव में शहरों की तर्ज पर विकास हो रहा है। पक्की सड़कें, पानी, बिजली, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी, मंगल भवन सहित व्यक्तिगत लाभ के लिए हर पात्र हितग्राही को शासन की योजना से जोडकर उसे प्रधानमंत्री आवास, संबल कार्ड, आयुष्मान कार्ड, तथा हमारी लाडली बेटियों के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना, वृद्धों के लिए पेंशन, विधवा बहनों के लिए विधवा पेंशन, अन्नदाता के लिए किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं जिससे रामराज्य की परिकल्पना सुरखी विधानसभा क्षेत्र में साकार होती नजर आ रही है। श्री राजपूत ने आग्रह किया कि जो भी पात्र हितग्राही किसी कारणवश शासकीय योजनाओं से नहीं जुड़े हैं, वह विकास यात्रा के दौरान अधिकारी कर्मचारियों से अपनी पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ अवश्य ले। इस अवसर पर श्री राजपूत द्वारा लाडली लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, संबंल कार्ड वितरित किये।

नए वोटरों का किया स्वागत : ग्राम चंद्रापुर, पिपरिया,चकरपुर, सेमराझिला, बरखेड़ा तथा करैया में राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने नए मतदाताओं का फूल मालाओं से स्वागत करते हुए उन्हें मतदान का महत्व बताया। श्री राजपूत ने कहा कि नए वोटर नई दिशा और ऊर्जा के साथ विकास और सुनहरे भविष्य को चुने। मतदान हमेशा करें। चाहे जितने भी जरूरी काम हो लेकिन मतदान करके अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन अवश्य करें।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधी गोलू राय, भाजपा नेता विनोद ओसवाल, दीपक देवलिया, राजकुमार सिंह, महेन्द्र देवलिया, संतोष सिंह, पवन शर्मा, वीरेन्द्र कुशवाहा, पुष्पेन्द्र मीणा, वंशीलाल, राजबहादुर,राजू अहिरवार, भगवान सिंह लोधी, कृष्णकांत देवलिया, हनुमत कुशवाहा, सहित शासकीय विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बिजली बिल बकाया होने पर बजली कंपनी ने तीन ट्रांसफार्मर हटाए

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा गोहद विद्युत संभाग अंतर्गत 63 के.व्ही.ए. ट्रांसफार्मर से संबद्ध उपभोक्ताओं के 5 लाख 62 हजार रूपये एवं 100 के.व्ही.ए. ट्रांसफार्मर से संबद्ध उपभोक्ताओं के 9 लाख रूपये बिजली बिल राशि का भुगतान नहीं होने से दोनों ट्रांसफार्मर को कंपनी द्वारा हटा दिया गया है। मेहगांव अंतर्गत 25 के.व्ही.ए. ट्रांसफार्मर को संबद्ध उपभोक्ताओं द्वारा एक लाख 80 हजार रूपये बिजली बिल राशि कंपनी में जमा नहीं करने पर हटा लिया गया है। कंपनी कार्यक्षेत्र में उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिल राशि का भुगतान नहीं करने पर ट्रांसफार्मर हटाने की कार्यवाही की जा रही है, जिसमें मेहगांव एवं गोहद में तीन स्थान से ट्रांसफार्मर को हटाया गया है। ट्रांसफार्मर बकाया राशि का भुगतान करने पर ही वापस लगाये जायेंगे। भिण्ड वृत्त अंतर्गत गोहद एवं मेहगांव के 16 उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिल की राशि का भुगतान नहीं किये जाने से उनके खसरों में बकाया राशि की जानकारी दर्ज कराई गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा चेकिंग के दौरान अमानक स्तर के प्रतिबंधित तारों से बिजली का उपयोग करने पर उपभोक्ताओं के बिजली तारों को जप्त कर कनेक्शन काटे गए। कंपनी के महा प्रबंधक भिण्ड वीरेन्द्र दांगी ने बताया कि जिला कलेक्टर द्वारा भिण्ड, मुरैना एवं दतिया में अमानक सफेद रंग के बिजली तारों को प्रतिबंधित किया।

परिवहन मंत्री के खिलाफ दायर याचिका प्रथम दृष्टया हुई खारिज

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश के राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के खिलाफ लगाई गई याचिका प्रथम दृष्टया खारिज हो गई है। विशेष न्यायालय एमपी एमएलए कोर्ट के पीठासीन अधिकारी विधान माहेश्वरी ने शुक्रवार को याचिका को प्रथम दृष्टया प्रचलन योग्य नहीं पाये जाने पर खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि प्रदेश के राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के खिलाफ आर्थिक अपराध, धोखाधड़ी करने का गलत आरोप लगाकर चंद्रमोहन दुबे की ओर से अधिवक्ता यावर खान द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर कोर्ट ने उक्त याचिका को खारिज कर दिया।

महिला के साथ अश्लील हरकत करने वाले आरोपी को एक साल की जेल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जनसंपर्क अधिकारी एडीपीओ भोपाल मनोज त्रिपाठी ने बताया कि चेतना दीक्षित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी भोपाल द्वारा आरोपी शराफत अली पुत्र फयाज अली उम्र 60 वर्ष निवासी गली नंबर 5, मदीना मस्जिद के पीछे ऐशबाग भोपाल को धारा 354 भादवि में 1 वर्ष का कारावास व 1000 रू का अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में अभियोजन की ओर से एडीपीओ मनोज त्रिपाठी ने पूरी परिस्थितियों को समेकित करते हुए अंतिम तर्क के दौरान पूरे घटनाक्रम को न्यायालय के समक्ष रखा था, जिससे सहमत होते हुऐ एवं प्रकरण में एक मात्र साक्षी फरियादी के कथनों को अखण्डित मानते हुऐ न्यायालय ने आरोपी को दोषसिद्ध किया। त्रपाठी के अनुसार दिनांक 12/08/2021 को फरियादी ने थाना गांधी नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई की आरोपी चादर बैचने का कार्य करता है। फरियादी की उससे जान पहचान थी ओर बातचीत होती थी, दिनांक 27.07.21 को दोपहर 2 बजे आरोपी अभियोक?त्री के घर आया था, अभियोक?त्री ने उसका आवभगत किया और उससे चादर व तकिया खरीदा तभी आरोपी ने बुरी नियत से फरियादी का हाथ पकडकर गिरा दिया और उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा फरियादी द्वारा धक्का देकर भगाया। बदनामी के डर के कारण फरियादी ने कुछ दिन बाद रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

वित्त मंत्री का नारा झूठा एवं खोखला: सक्सेना

भोपाल। मप्र राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रांतीय संयोजक एम के सक्सेना एवं प्रांताध्यक्ष डॉ. रामेश्वर मिश्रा का कहना है कि वित्त मंत्री का नारा झूठा एवं खोखला है? मप्र के 52 जिलों में 5 से 25 फरवरी तक भाजपा की विकास यात्रा आयोजित है। इस यात्रा के दोरान,वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा का नारा है कि सरकार की योजनाओं का हर पात्र व्यक्ति को लाभ मिले,लेकिन व्यावहारिकता मैं एसा नहीं हो रहा है क्योंकि वित्त विभाग के जारी आदेशों मैं अड़ंगेवाजी,भेदभाव की शर्तें रहती हैं,जिससे पात्र लोगों को वर्षों सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। उदाहरनार्थ देखिये,74-75 के तीन हजार स्कूली व्याख्याताओं को 2017 मैं, 20वर्ष व्याख्याता पद सेवा पूर्ण के दूसरे समयमान वेतनमान रु015600-39100(रु08000-13500),ग्रेड-पे 5400 रुपए के साथ देने के आदेश जारी हुए,लेकिन पे-फिक्सेशन से,पूर्व से मिल रहे वेतन से,कम वेतन मिलने की स्थिति के कारण, मिले वेतनमान के भुगतान का लाभ आज तक व्याख्याताओं को प्राप्त नहीं है,क्योंकि स्कूल शिक्षा विभाग एवं वित्त विभाग से,निर्मित पे-फिक्सेशन की गड़बड़ी का 6 वर्ष में ग्रेड-पे 5400 रुपए के स्थान पर ग्रेड-पे 6600 रुपए देकर दूर नहीं किया जाना है।

एम्स में डॉक्टरों ने की दुर्लभ और जटिल हार्ट सर्जरी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स ने 42 वर्षीय मरीज को नई जिंदगी प्रदान की । युवक मध्युप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले की सौसर तहसील का निवासी है, जिसे लगभग 2 महीने से अचानक से सांस लेने में अत्य।धिक परेशानी हो रही थी । इस तकलीफ के कारण मरीज ने प्रथम, नागपुर के निजी अस्पमताल में संपर्क किया, जहां जांच के उपरांत उसे बताया गया कि उसकी महाधमनी हार्ट के एक चेम्बार में फट गयी है। इसके साथ में उसके हृदय के बाएं तरफ के दोनों बाल्बर में अत्यकधिक रिसाव है इस कारण उसकी फेफड़ों के खून की नसों का प्रेशर भी अत्याधिक बढ़ गया है । उसे तत्कारल हाई रिस्कय मेजर हार्ट ऑपरेशन की सलाह दी गयी।

बीमारी की जटिलता को देखते हुए इस ऑपरेशन में उसे जान का खतरा तथा अनुमानित 10 लाख रूपये का खर्चा बताया गया । चूंकि मरीज इतना खर्चा उठाने में असमर्थ था, उसने एम्स भोपाल हृदय शल्यम चिकित्साई विभाग में संपर्क किया, जहाँ उसे तुरंत भर्ती कर लिया गया। 1 फरवरी 2023 को मरीज की ओपन हार्ट की गयी । उसकी महाधमनी को रिपेयर के

साथ-साथ दोनों खराब वाल्वग को कृत्रिम वाल्व से बदल दिया गया । इस जटिल ऑपरेशन में 5 घंटे का समय लगा जिसमें करीब 140 मिनट तक हार्ट की धड़कन को बंद करके रक्त का संचार हार्ट लग्सज मशीन के द्वारा बनाए रखा हार्ट सर्जरी डॉक्टर योगेश निवारिया, डॉक्टनर किशन मगटपल्ली एवं डॉक्टंर सुरेंद्र सिंह यादव और हृदय निश्रेएतना विशेषज्ञ डॉक्टीर पूजा सिंह ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।ऑपरेशन के पश्चात् मरीज दो दिन तक गहन चिकित्सा इकाई में रखा गया तथा मरीज ने तीसरे दिन से ही चलना-फिरना शुरू कर दिया। एम्सी भोपाल संस्थान के डायरेक्टर डॉक्टर अजय सिंह ने बताया कि इस तरह के जटिल हार्ट के ऑपरेशन जिसमें उत्तम दर्जे की विशेषज्ञता और अत्योधुनिक आधारभूत संरचना, अब एम्सा भोपाल में नियमित रूप से किए जा रहें है। अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर मनीषा श्रीवास्त व ने बताया कि जिस ऑपरेशन का खर्च निजी अस्पिताल में 10 लाख रूपये बताया गया था, एम्स भोपाल में आयुष्माान भारत योजना के अंतर्गत बिल्कुपल मुफ्त किया गया।

एम्स के छात्रों और फैकल्टी के साथ चर्चा की

भोपाल। ऐसे रोग जिनका पता नहीं चल पाता है, रोगियों और उनके परिवारों पर चिकित्सा, वित्तीय और मानसिक-सामाजिक बोझ डालते हैं । रोगी कई वर्षों तक बिना निदान के रहते हैं और अनियंत्रित दुर्बल करने वाली बीमारी से पीड़ित रहते हैं । यहां तक कि अगर उनका निदान किया जाता है, तो उनका उपचार एक आकार-फिट-सभी पर निर्भर करता है जो आमतौर पर बेडसाइड में विफल रहता है । इस अभ्यास के नुकसान को पूरा करने के लिए, अब हम परिशुद्धता चिकित्सा के युग में प्रवेश कर रहे हैं जो व्यक्तियों को उनके आनुवंशिक मेकअप के आधार पर चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है । जीनोमिक्स और सटीक दवा के समामेलन के साथ, नए नवाचार हमें व्यक्तिगत रोगियों में स्थिति का सटीक अनुमान लगाने, निदान करने और इलाज करने की अनुमति देंगे । यह ट्रांसलेशनल मेडिसिन सेंटर (टीएमसी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल (एम्स, भोपाल) विभाग के लक्ष्यों में से एक है ।

जशन शबे मेराज: मस्जिदों में इमामों और उलेमाओं की तकरीरें हुई

भोपाल। आल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के अध्यक्ष पीरज़ादा डा औसाफ शाह मीर खुर्रम मियां चिश्ती ने बताया कि जशन शबे मेराज के उनवान पर आज जुमा की नमाज़ से पहले शहर की अनेक मस्जिदों में इमामों और उलेमाओं की तकरीरें हुई जिनमें फज़ाइल बायांन किये गये ,अनेक लोगों ने घरों में परम्परागत नियाज़ फातेहा के आयोजन भी किये। क़दीम ज़ियारतगाह मोती मस्जिद के पास हुज़ुर पाक स अ व के मुए मुबारक की ज़ियारत का आयोजन हुआ और इमामबाड़ा इरानीयान स्टेशन में मजलिस हुई तबर्रुक तकसींम किया गया कल शहर में अनेक लोग रोज़ा रखेगे इस वास्ते सेहरई का इंतेज़ाम भी किया गया , आल इंडिया मुस्लिमं त्यौहार कमेटी की जानिब से 18 फरवरी को हुज़ुर पाक स अ व के तबरुकात की ज़ियारत और विशाल जलसाए जशने शबे मेराज भी होगा , शहर के अशोका गार्डन 80 फिट रोड स्थित सुन्नी सकलैनी जामा मस्जिद एहले सुन्नत वल जमात के सदर सूफी नूरउद्दीन सकलैनी ने बताया की हर साल की तरह इस साल भी पैग़म्बरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद सल्लालाहो अलयहे वसल्लम के मेराज उन नबी के मुबारक मौके पर सकलैनी जामा मस्जिद मे दिन मे 2 बजे से हुज़ुर पाक स अ व के मुए मुबारक दाढ़ी शरीफ के बाल मुबारक और दीगर पाकीज़ा निशानियों, तबरुकात की ज़ियारत अवांम को कराई जायेगी,बाद नमाजे इशा 8.30 बजे से जल्सा जशने शबे मेराज शुरू होगा । दिन मे 2 बजे से ही शुरू होगी जो सुबह सादिक तक रहेगी ,औरतों के लिये 19 फरवरी को ज़ियारत 12 बजे दिन से शाम 7 बजे तक कराई जायेगी।

शिव और शक्ति के मिलन की बेला है शिवरात्रि

ओमप्रकाश श्रीवास्तव

जनमानस में शिव सहज-सरल, भोलेभंडारी, संसारी-गृहस्थ हैं तो दूसरी ओर अनादि-अनन्त ब्रह्म हैं जो अपनी शक्ति के साथ मिलकर सृष्टि का सृजन, पालन और विसर्जन करते हैं। एक पौराणिक कथा कहती है कि शिवरात्रि पर जंगल में भटक गया भूखा-प्यासा बहेलिया रात में हिंसक पशुओं से बचने के लिए बेल के वृक्ष पर चढ़ गया । उसके शरीर से लगकर एक बेलपत्र नीचे शिवलिंग पर गिरा और शिव उस पर प्रसन्न होकर वरदान देने प्रकट हो गये। एक अन्य कथा के अनुसार शिवमंदिर का घंटा चुराने आया चोर शिवलिंग पर चढ़ा और उसे ही पूर्ण समर्पण मानकर शिव प्रसन्न हो गये। यह कथाएँ शिव के सहज-सरल, भोलेभंडारी स्वरूप को हमारे मानस में स्थापित करती हैं वहीं एक कथा कहती है कि विवाह के अवसर पर शिव से पूछा कि उनके पिता कौन हैं? उत्तर मिला ब्रह्मा। फिर पूछा बाबा कौन हैं? उत्तर मिला विष्णु। फिर पूछा और परबाबा कौन हैं? उत्तर मिला सो तो हम ही हैं। शिव के अनादि-अनन्त ब्रह्म होने के दार्शनिक भाव को सामान्य लोगों को समझाने के लिए कितनी प्रभावी कथा है।

शिव के इस विरोधाभाषी स्वरूप को समझना, अनुभूति के स्तर पर उससे एकत्व पाना इतना आसान नहीं है। सनातनधर्म का आधार वेदों का उच्चस्तरीय ज्ञान है जो ब्रह्म और उसकी माया शक्ति के माध्यम से सृष्टि के उद्भव की गुत्थी को सुलझाता हुआ प्रत्येक मनुष्य को ब्रह्म से एकरूप होने की प्रकिया बताता है। यह ज्ञान बौद्धिक रूप से नहीं समझा जा सकता। अनुभव, बुद्धि से परे होता है। इस अनुभव को आध्यात्मिक शब्दाबली में विज्ञान (साइन्स नहीं) कहा जाता है। गीता में भगवान् ने 'ज्ञानं विज्ञान सहितम' अर्थात् अनुभव सहित बताया है (गीता 9.1)।

ज्ञान से विज्ञान तक जाने अर्थात् पहले सिद्धांतों को समझने और फिर उसे अनुभव करने के लिए बुद्धि की आवश्यता होती है। ऐसी प्रदीप्त बुद्धि हर व्यक्ति में नहीं होती, हजारों में कोई एक ऐसी विशेषता वाला होता है और प्रयत्न करता है (गीता 7.3)। तब आम लोगों का क्या होगा? क्या वे धर्म को उपलब्ध नहीं हो सकेंगे? सुख-शान्तियुक्त, धर्ममय जीवन हर व्यक्ति का अधिकार है और सनातनधर्म में इसकी व्यवस्था है। उसमें सामान्य जीवनचर्या, त्यौहारों, उत्सवों के माध्यम से सीधे अनुभूति (विज्ञान) प्राप्त करने का अवसर दिया गया है। ऐसा ही अद्भुत त्यौहार है- शिवरात्रि।

ब्रह्म तो सच्चिदानन्द है अर्थात् सत् (अस्तित्त्व) है, चित् (चेतन) है और आनन्द स्वरूप है। ब्रह्म का रूप-रंग नहीं है, वह अनादि-अनन्त है, बुद्धि उसे समझ नहीं सकती, वाणी उसे बता नहीं सकती तब क्या रास्ता है उसे जानने का? सनातनधर्म ने उस ब्रह्म को ही शिव के रूप में जानने का अवसर दे दिया। शिव भी अनादि हैं, उनका कोई अवतार नहीं होता, वह सदैव से हैं। वह प्रसन्नमुद्रा में निर्विकार, निष्क्रिय बैठे हैं। यही तो वेदों का ब्रह्म है जो चेतन है परंतु निष्क्रिय है। वेदों में भी ब्रह्म को रुद्र और शिव कहा गया है एको हि रुद्रो न द्वितीयाय तस्थुर्य (श्वेताश्वतर उप.)।

दूसरी ओर पार्वती हैं जो पैदा पर्वत से हुई हैं, पर्वत जड़ है। पार्वती का मूल ही जड़ है परंतु वह सक्रिय हैं। शिव को पाने के लिए कठिन तप करती हैं। अन्नजल त्याग देती हैं, पत्तों पर जीवन बिताया और फिर वह भी छोड़ कर 'अपर्णा' हो गईं। शिव को पाने के लिए अभीप्सा और सक्रियता की पराकाष्ठा है यह। वेदों की प्रकृति के भी तो यही गुण हैं, वह जड़ है परंतु सक्रिय है। कैसा विरोधाभाष है? ब्रह्म जो चेतन है वह निष्क्रिय है और प्रकृति जो जड़ है वह सक्रिय है। इसी विरोधाभाष के मेल से सृष्टि का उद्भव है। इसी शिव और पार्वती के मिलन से सृष्टि के उद्भव का उत्सव है शिवरात्रि। ईशान संहिता के अनुसार निराकार शिव का शिवलिंग के रूप में आविर्भूत (शिवलिंगतयोद्भूत) होने का अवसर है शिवरात्रि।

वेदों के अनुसार ब्रह्म अपनी मायाशक्ति के माध्यम से स्वयं को सृष्टि के विविध रूपों में व्यक्त करता है। माया न हो तो ब्रह्म की अभिव्यक्ति ही संभव नहीं है। ब्रह्म की शक्ति माया है। शिव की शक्ति पार्वती हैं। पार्वती के तप के अभाव में शिव को कोई प्रेरणा नहीं थी, काम को तो वे पहले ही भस्म कर चुके थे। पार्वती ही हैं जो जगत् के उद्धार के लिए शिव को अपनी निर्विकार स्थिति को छोड़ने को बाध्य करती हैं। केवल निष्क्रिय ज्ञान किसी काम का नहीं है। इसी प्रकार बुद्धि और विवेक के बिना, सक्रियता भी जीवन को नष्ट कर देगी। इसलिए हमें जीवन में चेतना की भी आवश्यकता है और सक्रियता की भी। इसलिए शिव और पार्वती दोनों के आश्रय की जरूरत है। शिवरात्रि दोनों की संयुक्त कृपाप्राप्ति का अवसर है।

मानस में शिव को 'अखंडं अजं भानु कोटि प्रकाशम्' कहा है । यह सर्वशक्तिमान ब्रह्म केवल विशेषाधिकार या विशेष बुद्धि प्राप्त लोगों के लिए नहीं है इसलिए इस शिव के साथ निचली योनियों के भूत-प्रेत-पिशाच, विकृत शरीर वाले, मोटे-पतले सभी साथ हैं। सभी के लिए शिव सुलभ हैं। ब्रह्म का वर्णन असंभव है इसलिए उसे विरोधी गुणों से बताते हैं जैसे -बिनु पग चले सुने बिनु काना इसी प्रकार शिव के विरोधी गुणों के माध्यम से उसी ब्रह्म को इंगित किया गया है। वह अर्धनारीश्वर हैं- आधे स्त्री हैं आधे पुरुष। गृहस्थ भी हैं तो संन्यासी भी। वेशभूषा अशुभ और डरावनी है पर कल्याण करते हैं असुभ बेस सिवधामकृपाला । भोले भंडारी हैं तो ताण्डव करने में भी सक्षम हैं। वह देवता और असुर दोनों के गुरु हैं, दोनों के मित्र हैं, दोनों के आराध्य हैं और दोनों के स्वामी हैं (शिवसहस्त्रनामस्तोत्र 9)। दोषपूर्ण वस्तु भी शिव के संपर्क में आकर शुभ हो जाती है। धतूरे जैसा विषैला पौधा और मृत्यु का प्रतीक नाग भी शिव के संपर्क में पूज्य बन जाता है। सृजन तभी होता है जब पुराने का विसर्जन हो । इसलिए शिव महाकाल हैं, मृत्यु के भय को दूर करते हैं।

दूसरी ओर उनकी शक्ति पार्वती हैं जो सृष्टि का सृजन करती हैं। वह दैवीय माया हैं । गीता में भगवान् ने माया को दैवी बताया है दैवी ह्येषा गुणमयी मम माया दुरत्यया (गीता 7.14) । सृष्टि का अस्तित्व ही माया के कारण है। धन-संपत्ति, नाते, रिश्ते सभी माया के कारण हैं। माया के बगैर संसार ही नहीं चल सकता। बिना सोचे-बिचारे माया से दूर भागना नहीं है, वह तो दैवीय है । उसे समझ कर उससे पार शिव तक जाना है। इसके लिए मायाशक्ति दैवी पार्वती की आराधना का अवसर है शिवरात्रि।

इस दिन जगत के कल्याण के लिए शिव और पार्वती का विवाह हुआ और उनसे जन्मे पुत्र कार्तिकेय ने तारक असुर का नाश किया। यह अवसर साधारण चेतना के लोगों के लिए ईश्वर के विवाह का उत्सव है जिसमें पूजा, अर्चन, भजन से शिव पार्वती को प्रसन्न कर कामना पूर्ति की जाती है तो निष्काम योगियों के लिए शिव के ध्यान के माध्यम से ब्रह्म से एकत्व का अवसर है। इस अवसर पर उपवास करने और जागते रहने का सर्वाधिक महत्व है। उपवास का अर्थ मात्र भोजन का त्याग नहीं बल्कि पाँच ज्ञानेन्द्रियों के माध्यम से मन में जा रहे दूषित विचारों का निषेध करना भी है। शिव वह अनन्त विस्तार है जिसमें ब्रह्माण्ड उदय और अस्त होते हैं। वहाँ न सत् है न असत्, न सूर्य है न चंद्र। शिवरात्रि में जागते रहने का अर्थ है शिवरूपी अनन्त रिक्तता के अंधकार को चतुर्दशी और अमावश्या के मिलन की अंधेरी रात्रि में अनुभव करना। इस प्रकार शिवरात्रि शिव की आराधना में जागते रहने के साथ-ही-साथ आंतरिक जागरण की रात्रि भी है। हम इस जागरण के साक्षी बन सकें यही शिवरात्रि की सार्थकता है।

स्वतंत्रता के बाद समाज और संस्कृति की प्रतिष्ठा का संघर्ष

20 फरवरी 1986 सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उद्धवदास जी मेहता की पुण्यतिथि

--रमेश शर्मा

भाई उद्धवदास जी मेहता देश के उन विरले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में एक हैं जो दस वर्ष की बालवय में स्वाधीनता संघर्ष केलिये सामने आये और पन्द्रह वर्ष की आयु में बंदी बनाये गये। उनका सारा जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र की सेवा और संघर्ष में बीता । स्वाधीनता के पूर्व जहाँ उनकी जेल यात्राएँ मानों घर आँगन हो गयीं थीं तो स्वाधीनता के बाद उनका जीवन समाज के संगठन, और संस्कृति की प्रतिष्ठापना के लिये समर्पित रहा। वे अपने जीवन में 1926 से 1949 के बीच कुल नौ बार गिरफ्तार हुये, कम आयु के कारण दो बार जंगल में छोड़ा गया और सात बार जेल भेजा गया। स्थानीय प्रशासन उनसे कितना रुष्ट था इस बात का अनुमान केवल इस बात से ही लगाया जा सकता है कि उन्हें उनकी बेटी के विवाह में कन्यादान करने केलिये पेरोल भी न मिला था वे हथकड़ी और बेड़ी में लाये गये और उसी अवस्था में भाई जी ने अपनी बेटी का कन्यादान किया। स्वाधीनता की अग्नि को प्रज्जवलित रखना उन्हें विरासत में मिला था । राष्ट्र की सेवा में उनकी अनेक पीढ़ियों का बलिदान हुआ था । संस्कृत और आयुर्वेद के विद्वान उनके दादा टीकाराम जी ने 1857 की क्राँति का अलख जगाने के लिये पूरे मालवा क्षेत्र में गाँव गाँव की यात्रा की थी। उसी संदर्भ यह परिवार भोपाल आया और यहीं 9 अगस्त 1911 को भाई उद्धवदास जी मेहता का जन्म हुआ । पिता बूलचंद जी भी आयुर्वेद चिकित्सक और संस्कृत के आचार्य थे । माता गेंदा बाई भी संस्कृतविद् और आयुर्वेद की जानकार थीं । जब भाई जी केवल सात वर्ष के थे तब 1918 में पिता का निधन हो गया । परिवार संचालन का दायित्व माता के कंधे पर आया उन्होंने अपने पति का औषधालय स्थावत रखा और बालक उद्धव दास को बालवय में ही परिपक्वता का बोध होने लगा।

भोपाल में तब का सामाजिक वातावरण तब दोहरे दबाव का था। भोपाल राज्य की जनता नबाव के आधीन थी और नबाब अंग्रेजों का । भोपाल रियासत इस्लाम केलिये बहुत कट्टर थी । अंग्रेजों का पोलिटिकल एजेन्ट सीहोर में रहता था । नबाब के माध्यम से अंग्रेजों के जुल्म से त्रस्त थी जनता । लेकिन गैर इस्लामिक समिज पर नबाब और उसके कारिन्दों का अतिरिक्त दबाव था । जिन दिनों भाई जी होश संभाल रहे थे उन दिनों देश के बंगाल, पंजाब, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र आदि अनेक स्थानो में स्वतंत्रता आंदोलन जोर पकड़ने लगा था। महात्मा गाँधी दक्षिण अफ्रीका से लौटकर स्वाधीनता के लिए अहिसंक आँदोलन का सूत्रपात कर चुके थे । गाँधी जी के अहिंसक आंदोलन का प्रभाव भोपाल में भी आया। यहाँ उस समय की पीढ़ी सक्रिय हो गयी थी, लेकिन खुलकर सामने आने में संकोच हो रहा था । फिर भी सीहोर रायसेन आदि क्षेत्रों में प्रभात फेरियाँ निकलने लगी थीं लेकिन भोपाल नगर में दबाब अधिक था । भोपाल में आर्यसमाज अस्तित्व में आ गई थी। जो सामाजिक जाग्रति और सांस्कृतिक मूल्यों के लिये काम कर रही थी । तब एक योजना बनी कि बच्चों की प्रभात फेरी निकाली जाये । यह काम बालक उद्धव दास मेहता को सौंपा गया । सब लोगों ने माता गेंदाबाई से बात की फिर बालक उद्धव दास मेहता को समझाया । यह बात 1921 की है । तब भाई उद्धवदास जी मेहता मात्र दस वर्ष के थे और छठवीं कक्षा के विद्यार्थी । कक्षा और विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को निकाल कर प्रभात फेरी निकालने की योजना बनी । भाई उद्धवदास जी मेहता ने यह काम बड़ी खूबी से किया । उनकी पहल पर विद्यालय के अधिकांश विद्यार्थी सम्मिलित हुये । यह समाचार आग की भाँति पूरे क्षेत्र में फैला और सूचना गाँधी जी को भी भेजी गयी । इससे परिवार पर बहुत दबाब बना । परिवार को धमकियाँ मिलने लगीं । प्रशासन और नबाब समर्थकों की नजर में बालक उद्धव खटकने लगा । माता को चिंता हुईं । जैसे तैसे छठवीं कक्षा उत्तीर्ण की और माता ने पढ़ने के लिये बनारस भेज दिया । वे बनारस में चार वर्ष रहे । इन चार वर्षों में जहाँ उन्होंने संस्कृत के आचार्य और आयुर्वेद आचार्य दोनों परीक्षा उत्तीर्ण की नहीं की अपितु राष्ट्रभाव से संबंधित पाठ भी वहीं पढ़े । वे अवकाश के दिनों में चार साल बाद 1926 में भोपाल लौटे । इसी वर्ष उनका विवाह शकुन्तला देवी से हुआ । शकुन्तला देवी के पिता पं हजारीलाल जी मेहता भी संस्कृत और आयुर्वेद की पृष्ठभूमि के थे । यह संस्कार शकुन्तला देवी में भी थे । इस कारण भाई जी को पूरा सहयोग मिला और समाज सेवा के लिये वे अपना समय निकाल सके । जिन दिनों भाई जी बनारस में थे उन चार वर्षों में भोपाल के वातावरण में बड़ा परिवर्तन आया । भोपाल नबाब ने अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति पर अमल करते हुये हिन्दु और मुसलमानों को लड़ाना आरंभ कर दिया । कुछ लोगों को बाहर से लाकर बसाया जाने लगा तथा गुंडागर्दी के नाम पर कुछ लोगों को छूट दी गयी । इसके मुकावले के लिये भाईजी ने नौजवानों की एक टोली तैयार की जो इस तरह के असमाजिक तत्वों से सामना कर सके । इस टोली ने 1926 भोपाल स्टेशन पहुँच कर ट्रेन में गाँधी जी एक पत्र दिया जिसमें भोपाल के हालात का वर्णन था । गाँधी जी की सलाह पर भाई जी के नेतृत्व नौजवानों ने एक ज्ञापन उस समय के अपराध नियंत्रक मोहम्मद अली को सौंपा । मोहम्मद अली ने बात सुनने और समझने की बजाय गिरफ्तार करने के आदेश दे दिये । पाँच नौजवान पकड़े गये । दो दिन कैद में भूखा रखा और फिर जंगल में छोड़ दिया गया । यह भाई जी की पहली गिरफ्तारी थी तब उनकी आयु केवल पन्द्रह वर्ष थी । घटना से माताजी चिंतित हुईं और उन्होंने अवकाश के दिन शेष रहने के बाद भी वापस बनारस भेज दिया । इस बार भाईजी ने अपनी पढ़ाई के साथ मन स्वाधीनता संघर्ष का संकल्प लिया और ऐसा साहित्य संकलन आरंभ किया जिससे उनकी संकल्पशक्ति और सशक्त बने । इनमें स्वामी दयानंद, विवेकानंद, तिलकजी, सावरकर जी और मदनमोहन मालवीय जैसे महामनाओं साहित्य था। इस साहित्य से जहाँ उन्हें संकल्प शक्ति मिली वहीं गाँधी जी का अहिंसा पर अडिग रहकर काम करने का मार्ग अपनाया।

भाई जी ने भोपाल में घटी घटनाओं का विवरण तैयार किया और पत्र भेजकर काँग्रेस आर्य समाज तथा अन्य प्रमुख लोगों को अवगत कराया । एक वर्ष पश्चात 1927 में अवकाश के दिनों में पुनः भोपाल आये । अपनी इस यात्रा में भोपाल के उन पीड़ितों से मिले जिन्हें नबाब के धार्मिक कानून के बहाने असामाजिक तत्व उत्पीड़ित किया करते थे । भाई जी ने इस कानून का विवरण और पीड़ितों के नाम गाँधी जी को भेजे । 1928 में वे तीसरी बार अवकाश पर भोपाल आये और आर्यसमाज के सहयोग से उन पाँच स्त्रियों का शुद्धिकरण किया जिनका अपहरण और बलात्कार हुआ था । इस घटना के कारण वे पुनः गिरफ्तार कर लिये उनके आचरण को धर्म विरोधी माना गया । तथा ईशनिंदा कानून की धारा लगी । उनके साथ गिरफ्तार होने वालों में मास्टर लाल सिंह, शिवनारायण जी वैद्य, विट्ठल दास, मूलचंद ललवानी, भाऊलाल, भगवान दीन, राजेन्द्र वर्मा आदि कुल बारह लोग थे । भाई जी को आयु का लाभ मिला उन्हे छोड़ दिया गया अन्य सभी छै माह बाद ही जेल से छूट सके । 1929 में गाँधी जी की भोपाल यात्रा हुई। बेनजीर मैदान में सभा हुई और वे लोगों से भी मिले । भाई उद्धवदास जी मेहता सहित एक प्रतिनिधि मंडल ने गाँधी जी से भेंट की और उस ईशनिंदा कानून से अवगत कराया जिसके बहाने भोपाल में गैर मुस्लिम समाज पर अत्यचार होने लगे थे । गाँधी जी सहमत हुये उन्होंने भोपाल नबाब को समझाया और लेख भी लिखा । गाँधी जी सलाह पर नबाब ने वह कानून बदला । इस तरह भाई उद्धवदास जी मेहता की रणनीति और संघर्ष के चलते नबाब को ईशनिंदा कानून बदलना पड़ा ।

1931 में भाई जी अपनी पढ़ाई पूरी करके बनारस से भोपाल में लौटे। उन्होंने अपने पूर्वजों की विरासत अपना औषधालय तो संभाला ही साथ ही सामाजिक जाग्रति अभियान भी छेड़ दिया। उन्होंने शिवनारायण जी वैद्य के साथ मिलकर एक संस्था हिन्दु सेवा संघ का गठन किया और एक सामाजिक समरसता सम्मेलन आयोजित किया जिसमें सभी वर्गों, उपवर्गो और जातियों के प्रतिनिधियों को बुलाया । और हर मोहल्ले में व्यायाम शालाएँ स्थापित करने का अभियान छेड़ा ताकि असामाजिक तत्वों के हमलों पर स्वयं की सुरक्षा की जा सके । इसी वर्ष भाई जी और कुछ अनय प्रमुख जनों ने मुम्बई जाकर सावरकर जी भेंट की और भोपाल लौटकर हिन्दु महासभा की इकाई का गठन किया, जिसके मंत्री भाई उद्धवदास जी मेहता बने।

1932 में भाई जी ने मंदिर कमाली परिसर में हनुमान व्यायाम शाला आरंभ की । एक वर्ष के भीतर चार व्यायाम शालाओ की शुरुआत हो गयी, मंदिर कमाली के अतिरिक्त एक व्यायाम शाला बड़बाले महादेव मंदिर, एक लखेरापुरा और एक भोईपुरा में आरंभ हुई । तभी 1934 बीच सड़क से एक महिला के अपहरण और बलात्कार की घटना घटी । भाई जी ने सभाएं कीं आंदोलन शुरु किया । भाई जी सहित सभी व्यायाम शाला संचालक बंदी बना लिये गये । व्यायाम शालाएँ बंद हो गयीं । रिहाई 15 दिन बाद हो सकी । रिहाई के बाद भाई जी ने तीन काम किये । एक तो पुनः व्यायाम शालायें आरंभ करवाई और दूसरा समाचार पत्र प्रकाशन आरंभ किया । जिसका नाम प्रजा पुकार था । भाई जी इसके प्रकाशक बने । इस समाचार पत्र में अंग्रेजों और नबाब शासन के अत्यचारो का समाचार छपते । तीसरा काम एक विशाल हिन्दू सम्मेलन आरंभ किया । वस्तुतः भाईजी की नीति या आंदोलन का रास्ता साम्प्रदायिक नहीं था लेकिन वे भोपाल शासक और अंग्रेजों के समान धार्भिक आधार पर भेदभाव बंद करने और सभी नागरिकों को समान अधिकार के लिये संघर्ष कर रहे थे । भाई जी पुनः गिरफ्तार हुये और इस बार उन्हें जेल से छूटने में तीन माह लगे । 1936 में प्रजा पुकार में छपे एक समाचार के कारण पुनः गिरफ्तार हुये, इस बार सात दिन बाद जमानत पर रिहा हो सके । 1937 में सभी नागरिकों को समान अधिकार के लिये आंदोलन किया बंदी बनाये गये । इस बार जेल से बाहर आने में छै माह लगे । इस आँदोलन में पुलिस प्रताड़ना के चलते एक आँदोलन कारी भगवान दास राठी का जेल में ही निधन हो गया।

1937 में सामाजिक जागरण के लिये सार्वजनिक रूप से गणपति उत्सव मनाने का निर्णय हुआ लेकिन अनुमति न मिली । तब प्रतीक के तौर पर पीपल चौक में भाई जी ने एक निजी दुकान लेकर गणपति जी की स्थापना की । जिसमें भजन कीर्तन पर तो पावंदी रही पर दर्शन खुले में होते । फिर 1938 में सार्वजनिक रूप से रंगपंचमी बनाने की तैयारी की गयी । भाई जी पुनः गिरफ्तार हुये और एक माह बाद रिहा हो सके।

1940 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना की गई और भाईउद्धवदास जी मेहता नगर संघचालक बने । 1942 में गांधी जी के अव्हान पर सीहोर जाकर अंग्रेजों भारत छोड़ो आन्दोलन का संयोजन किया । इस आँदोलन में सभी राजनैतिक दलों, मत मतान्तरो के लोग सम्मिलित हुये । गिरफ्तार किये गये । 1946 में मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन में हिन्दु समाज को हुये नुक्सान का व्यौरा तैयार किया और सरदार वल्लभभाई पटेल को सौंपा । इसका विवरण पं जवाहरलाल नेहरु को भी दिया । भाई जी की मुलाकात नेहरु जी न हो सकी विवरण ज्ञापन उनके सचिव को सौंपा । 1947 में भारत स्वतंत्र हुआ पर भोपाल नबाब ने न केवल भोपाल को स्वतंत्र करने से इंकार कर दिया बल्कि भोपाल रियासत को पाकिस्तान में मिलाने की खुली घोषणा कर दी । भाई उद्धवदास जी मेहता ने इसके विरुद्ध सीहोर में एक बड़ी बैठक का आयोजन किया । बैठक गौरीशंकर जी समाधिया के निवास पर हुई । संघर्ष के लिये बनी सर्वदलीय समिति के संयोजक भाई उद्धवदास जी मेहता बनाये गये । 1948 में गाँधी जी की हत्या हुई । नबाब को बहाना मिला । फरवरी 1948 में पूरी रियासत में हिन्दु महासभा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संघ से संबंधित लोगों की सामूहिक गिरफ्तारी हुई । इससे विलीनीकरण आँदोलन में गतिरोध आया । भाई जी रिहाई छै माह बाद रिहा हो सके । रिहाई के बाद भोपाल रियासत को भारतीय गणतंत्र में विलीन करने के आँदोलन में पुनः जुट गये । भाईजी ने अनशन किया । इस अनशन से चेतना जाग्रत हुई और पूरी रियासत में विलीनीकरण आंदोलन पुनः तीव्र हुआ । अंततः जून 1949 में भोपाल रियासत भारतीय गणतंत्र में विलीन हुई तब भाई जी ने पहली बार हिन्दु उत्सव समिति को व्यवस्थित रूप देकर पीपल के नीचे गणेशोत्सव मनाने की परंपरा आरंभ की। और इसी वर्ष सार्वजनिक दशहरा उत्सव को भव्यता मिल ।

1956 में मध्यप्रदेश का गठन हुआ तब भोपाल को राजधानी बनाने के लिए भाई जी ने अनशन किया और भाई जी के आग्रह पर डा शंकरदयाल शर्मा ने एक प्रतिनिधि मंडल के साथ नेहरूजी से भेंट की और भोपाल मध्यप्रदेश की राजधानी बना । 1962 में चीन आक्रमण के समय सामाजिक जाग्रति के लिये सर्वदलीय समिति बनी जिसके संयोजक भाई उद्धवदास जी मेहता बनाये गये । इस समिति में काँग्रेस जनसंघ, हिन्दु महासभा आदि सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि थे । 1965 में पाकिस्तानी आक्रमण के समय भी पुनः सर्वदलीय समिति बनीं जिसके संयोजक भाई उद्धवदास जी मेहता ही बने । 1967 में भाईजी हिन्दु महासभा छोड़कर भारतीय जनसंघ के सदस्य बने । श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भोपाल आकर भाई जी को जनसंघ की सदस्यता दिलाई थी । 1972 में तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश चंद सेठी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में उनका सम्मान किया । 1973 में महंगाई विरोधी आँदोलन के लिये गठित सर्वदलीय समिति के संयोजक भी भाई उद्धवदास बने । 1975 में आपातकाल लागू हुआ और भाई जी गिरफ्तार कर लिये गये। उन दिनों उनका स्वास्थ्य खराब था । उनकी गिरफ्तारी का समाचार मुख्यमंत्री प्रकाश चंद सेठी जी को मिला तो उन्होनें तुरन्त रिहा करने के आदेश दिये । भाईजी को गले के कैंसर ने जकड़ लिया था । जिस प्रकार उनका जीवन कभी जेल, तो कभी घर में बीता वैसे ही उनके जीवन का अंतिम समय कभी अस्पताल तो कभी घर में बीता । 1983 के बाद स्वास्थ्य में भारी गिरावट आई । उनका अधिकांश समय विस्तर पर बीता । उन दिनों उनसे मिलने आने वालों में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक बाला साहब देवरस जी, डा शंकरदयाल शर्मा, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, बद्रिकाश्रम के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद जी आदि प्रमुख थे । और 20 फरवरी 1986 को उन्होने संसार से विदा ली।

भोपाल में भाई उद्धवदास मेहता अकेले ऐसे समाज सेवी थे जिनका आदर राजनैतिक सीमाओं से ऊपर था । हर छोटी बड़ी सामाजिक समस्या पर सभी प्रमुख लोग उन्ही से संपर्क रखते थे । और उनकी राय अंतिम हुआ करती थी । ऐसे महान समाज सेवी और स्वाधीनता संग्राम सेनानी भाई जी को शत शत नमन।

घनचक्करी झूले पर झूलता कांग्रेस अधिवेशन

पंकज शर्मा

मुझे लगता है कि आज़ादी के बाद हो रहा 31वां कांग्रेस-अधिवेशन अब तक का सबसे नीरस और निरर्थक आयोजन साबित होने वाला है ा मैं अब आश्वस्त होता जा रहा हूं कि राहुल गांधी के पसीने की बूंदों को सहेज कर संगठन के खेत की सिंचाई करने में आज की कांग्रेसी-टोली की कोई दिलचस्पी नहीं है। उनमें से ज़्यादातर की दिलचस्पी खुद के अलावा किसी चीज़ में नहीं है।

रायपुर में होने वाला 85 वां कांग्रेस-अधिवेशन घनचक्करी झूले पर झूलता दिखाई दे रहा है। मौका मिलते ही राहुल गांधी की हर पुण्याई में मट्ठा डालने की आतुरता पाले बैठा झुंड सतह के नीचे की राह पोली करने के अपने काम में दिन-रात लगा हुआ है। अधिवेशन होगा, मगर महज़ औपचारिकता पूरी करने के लिए। पहले वह तीन दिनों के लिए होना था, जैसा कि आमतौर पर हुआ करता है, लेकिन अब उसे सिर्फ़ 24 और 25 फरवरी को ही आयोजित करने की सुगबुगाहट है। पहले लग रहा था कि अधिवेशन के दौरान पार्टी की कार्यसमिति का बाक़ायदा चुनाव भी होगा, लेकिन अब आंतरिक लोकतंत्र के प्रतिलोम-तोपचियों ने इस मंसूबे में पलीता लगा दिया है। कांग्रेस-अधिवेशन के अंतिम दिन होने वाली जनसभा का आयोजन भी ठंडी गठरी में जाता दिखाई दे रहा है।

लगता है कि सोनिया गांधी अधिवेशन में जा ही नहीं रही हैं। राहुल और प्रियंका गांधी के भी सिर्फ़ पहले दिन ही भागीदारी के संकेत हैं। राहुल फरवरी के अंतिम सप्ताह में कैंब्रिज विश्वविद्यालय की संगोष्ठी में भागीदारी के लिए लंदन जा रहे हैं। इस बार वे वहां श्रुति कपिला के साथ निरुद्ध-सत्रों में 'जनतंत्र और सूचना महासंग्रह' तथा 'भारत-चीन संबंध' पर चर्चा करेंगे। लोकतंत्र में बिग-डेटा के उपयोग-दुरुपयोग को ले कर बंद दरवाज़ों के पीछे होने वाली राहुल की बातचीत को ले कर कैंब्रिज-परिसर में जितनी उत्सुकता है, ज़ाहिर है कि उससे ज़्यादा प्रबलेच्छा भारत और चीन के रिश्तों पर राहुल के विचार जानने के लिए है। राहुल के इन चर्चा-सत्रों के आयोजन में कैंब्रिज विश्वविद्यालय के बैनेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी, सेंटर फॉर जियोपॉलिटिक्स और हिस्ट्री फैकल्टी की भी सक्रिय हिस्सेदारी है।

मैं मानता हूं कि जब मतलबपरस्त झुरमुट के सौजन्य से पार्टी-अधिवेशन महज़ रस्म-अदायगी में तब्दील हो जाए तो उसके मंच पर बैठे ऊंघते नेताओं की जमात के बीच अपना वक़्त ज़ाया करने के बजाय राहुल के लिए कैंब्रिज के विद्यार्थियों से विमर्श ज़्यादा सार्थक कर्म है। जब अधिवेशन के प्रस्तावों-भाषणों से कोई अनोखा विचार-झरना बहना नहीं है, जब कांग्रेस-अध्यक्ष के चुनाव से मजबूत हुई अंदरूनी जनतंत्र की प्रक्रिया को कार्यसमिति चुनाव की तार्किक परिणिति तक पहुंचना नहीं है और जब अंततः ढाक के वही तीन पात ही लहलहाने हैं तो राहुल इस लकीर की फ़कीरी में अपनी शिरकत सीमित रख अच्छा ही कर रहे हैं। सोनिया अगर अधिवेशन में नहीं जाती हैं और राहुल-प्रियंका उसमें आधे समय ही मौजूद रहते हैं तो इसके अलावा इसका अर्थ और क्या हो सकता है कि संगठन की संचालन शैली उनके मनोनुकूल नहीं है।

मुझे लगता है कि सोनिया-राहुल-प्रियंका कार्यसमिति का चुनाव कराने के पक्ष में हैं। मैं जानता हूं कि कांग्रेस के बहुत-से ज़मीनी-दिग्गज भी पार्टी-संविधान की व्यवस्था के मुताबिक कार्यसमिति के 12 सदस्यों का चुनाव चाहते हैं। मगर असुरक्षित-भाव से थरथराते रहने वाले कागज़ी-दिग्गज चुनाव के ख़िलाफ़ हैं। वे जानते हैं कि उनमें से कोई भी जीत कर कार्यसमिति में नहीं आ पाएगा। सो, तैयारी है कि कार्यसमिति के सभी सदस्यों की नामजदगी का अधिकार ध्वनि-मत से कांग्रेस-अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दिया जाए।

कांग्रेस-संविधान की धारा 21 में व्यवस्था है कि पार्टी-अध्यक्ष और कांग्रेस संसदीय दल के नेता कार्यसमिति के स्वतः सदस्य माने जाते हैं। यानी खड़गे और सोनिया को तो चुनाव लड़ने की ज़रूरत ही नहीं है। हालांकि संवैधानिक व्यवस्था नहीं है, मगर परंपरा है कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री को भी कार्यसमिति में नामजद किया जाता है। सो, राहुल और मनमोहन सिंह को भी चुनाव लड़ने की ज़रूरत नहीं है। बचीं प्रियंका तो क्या आपको लगता है कि अगर वे चुनाव लड़ेंगी तो हार जाएंगी? सोनिया, राहुल और मनमोहन सिंह भी चुनाव लड़ कर ही कार्यसमिति में प्रवेश करना चाहें तो क्या उन्हें कोई हरा सकता है? पार्टी में ऐसे और दर्जनों दिग्गज हैं, जो अगर लड़े तो जीतेंगे। तो हारने का डर आख़िर है किन्हें? वे कौन हैं, जिन्हें नामजदगी का ही सहारा है? अगर 12 सदस्यों के लिए चुनाव हो जाए तो मनोनयन की गुंजाइश तो सिर्फ़ 9 की ही बचती है। प्रियंका की भी नामजदगी के बाद 8 की ही। इन आठ अनारों को लपकने के लिए आठ दर्जन बीमार तो वैसे ही घूम रहे हैं। तो इस मर्ज़ के मारों का पूरा ज़ोर इस पर है कि कार्यसमिति में सभी 23 सदस्य मनोनयन के ज़रिए ही नियुक्त किए जाएं।

ताज़ा इतिहास में मतदान के ज़रिए कार्यसमिति का चुनाव दो बार हुआ है। मैं 1992 में 14 से 16 अप्रैल तक तिरुपति में बसाए गए तंबू-शहर मरैमलैनगर में हुए उस कांग्रेस अधिवेशन में मौजूद था, जिसमें पामुलपर्ति नरसिंह राव ने कार्यसमिति का चुनाव कराया था। मैं कलकत्ता में 8 से 10 अगस्त 1997 के बीच हुए उस कांग्रेस अधिवेशन में भी था, जिसमें सीताराम केसरी को कार्यसमिति के लिए मतदान कराना पड़ा था। बाद में दोनों कार्यसमितियों के हश्र की अपनी कथा है, लेकिन दोनों ही बार हुई ज़ोर-आजमाइश का भी अपना दिलचस्प किस्सा है। इस बार अगर रायपुर में कार्यसमिति के लिए मतदान हो जाता तो हम-आप कांग्रेस में उठापटक और धमाचौकड़ी के नए इतिहास की रचना होते देखते।

तैयारियों का आभा-मंडल गढ़ने में कांग्रेस कभी कोई कोताही नहीं करती है। आजकल यह ललक और बढ़ गई है। सो, रायपुर अधिवेशन में पारित होने वाले छह प्रस्तावों का मसौदा बनाने के लिए एक तो मुख्य समिति बनाई गई है और छह उपसमितियां भी गठित की गई हैं। इनमें 126 लोग हैं, जो राजनीतिक, आर्थिक, अंतरराष्ट्रीय, खेती-किसानी, सामाजिक न्याय और युवा-शिक्षा-रोज़गार के मुद्दों पर प्रस्तावों के प्रारूपों को आकार देंगे। इन समितियों से ऐसे-ऐसों को बाहर रखा गया है कि आप की आंखें फट जाएं और ऐसे-ऐसों को शामिल किया गया है कि आपकी आंखें दोबारा और ज़ोर से फट जाएं।

मुझे लगता है कि आज़ादी के बाद हो रहा 31वां कांग्रेस-अधिवेशन अब तक का सबसे नीरस और निरर्थक आयोजन साबित होने वाला है। देश को स्वाधीनता मिलने के बाद पहला कांग्रेस-अधिवेशन जयपुर में 18 दिसंबर 1948 को हुआ था। पट्टाभि सीतारमैया उसमें अध्यक्ष बने थे। यूं वह कांग्रेस की स्थापना के बाद से 55वां अधिवेशन था और पट्टाभि की ताजपोशी की पटकथा में कई मोड़ आए थे। आज़ादी के बाद अब तक हुए 30 अधिवेशनों में से 13 की अध्यक्षता नेहरू-गांधी परिवार के बाहर के लोगों ने की है। 17 बार परिवार के सदस्यों ने अध्यक्षता की। सबसे ज़्यादा बार सोनिया गांधी ने ङ्क 10 बार। 3 बार जवाहरलाल नेहरू ने, 2 बार इंदिरा गांधी ने और एक-एक बार राजीव गांधी और राहुल ने अध्यक्षता की। रायपुर का अधिवेशन 14वां होगा, जिसकी अध्यक्षता एक बार फिर नेहरू-गांधी परिवार के बाहर का कोई व्यक्ति करेगा।

मैं अब आश्वस्त होता जा रहा हूं कि राहुल गांधी के पसीने की बूंदों को सहेज कर संगठन के खेत की सिंचाई करने में आज की कांग्रेसी-टोली की कोई दिलचस्पी नहीं है। उनमें से ज़्यादातर की दिलचस्पी ख़ुद के अलावा किसी चीज़ में नहीं है। अपने को पार्टी के अध्यक्ष पद से अलग कर के, उस फ़ैसले पर दृढ़ रह कर, पार्टी को परिवार से बाहर का निर्वाचित अध्यक्ष दे कर और डेढ़ सौ दिनों में पौने चार हज़ार किलोमीटर की पैदल यात्रा कर राहुल ने इस बीच कांग्रेस के लिए जिस सकारात्मक साख और ऊर्जा का व्यापक संचार किया, उसे ठिकाने लगाने में लगी गाजर-घास से मुक्ति पाए बिना कांग्रेस अपना भव-सागर कभी पार नहीं कर पाएगी। कोई समझे तो ठीक। न समझे तो ठीक। **(लेखक न्यूज़-व्यूज़ इंडिया और ग्लोबल इंडिया इनवेस्टिगेटर के संपादक हैं।)**

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

5 सहायक यंत्रियों को कारण बताओं सूचना पत्र जारी

धार,। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री केएल मीणा ने जिले के 5 सहायक यंत्रियों को शासन की महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रति उदासीनता बरतने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए है। इनमें जनपद पंचायत बदनावर के सहायक यंत्री श्री राजेश परमार, निसरपुर के श्री बीएल जमरा, बाग के श्री राजकुमार चौहान, सरदारपुर के श्री ललीत वैध तथा जनपद पंचायत गंधवानी के सहायक यंत्री श्री विरेन्द्र धचिते शामिल है। उक्त सहायक यंत्रियों को 20 फरवरी तक अपना प्रतिउत्तर प्रक्रिया पूर्ण कर प्रतिवेदन के साथ प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।

राजस्व विभाग की सेवाओं को सुगमता के साथ प्रदान करने हेतु कैम्प न्यायालय का आयोजन किया

धार,। विकास यात्रा के दौरान धार विधानसभा क्षेत्र के ग्राम उटावद में जिला प्रशासन द्वारा शुक्रवार को राजस्व विभाग की सेवाओं को सुगमता के साथ प्रदान करने संबंध में न्यायालय तहसीलदार धार द्वारा कैम्प न्यायालय का आयोजन कर राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया। तहसीलदार श्री विनोद राठौर ने बताया कि कैम्प में बी1 वाचन के दौरान ग्राम उटावद में 6 ऐसे किसान निकले जो फ़ौत हो गए थे। मौके पर उनके बारिशों की जानकारी ली गयी। ग्रामवासियों से पूछताछ की गई। किसी भी प्रकार की आपत्ति नही आने पर मौके पर ही उनके वारिशों का नाम दर्ज करने का आदेश पारित किया गया। साथ ही आदेश का पालन राजस्व रिकॉर्ड में मौके पर करवा कर संशोधित खाता खसरा और भू-अधिकार ऋण पुस्तिकाओं का वितरण विद्यायक श्रीमती नीना वर्मा, जनपद अध्यक्ष, जनपद उपाध्यक्ष धार द्वारा किया गया। कैम्प न्यायालय द्वारा सम्पूर्ण कार्यवाही 2 घंटे में की गई। जिसकी प्रशंसा जनप्रतिनिधियों द्वारा की गई।

जी-20 समिट तैयारियों की मंत्री एवं सांसद ने की समीक्षा

छतरपुर, । प्रदेश के आयुष एवं जलसंसाधन मंत्री स्वतंत्र प्रभार रामकिशोर कावरे एवं खजुराहो सांसद व्ही.डी. शर्मा ने कन्वेंशन सेंटर में जी-20 समिट तैयारियों की कलेक्टर संदीप जी.आर. एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ शुक्रवार को समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर एसपी सचिन शर्मा, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती तपस्या परिहार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बक्स्वाहा के ग्राम गढ़ोही में निकली विकास यात्रा

छतरपुर। शुक्रवार को बक्स्वाहा ब्लॉक के ग्राम गढ़ोही में निकाली गई विकास यात्रा में क्षेत्रीय विधायक प्रद्युम्न सिंह लोधी ने जनहितेषी कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया और योजनाओं की जानकारी दी। इस मौके पर स्थानीय समस्याओं की जानकारी लेकर हितलाभ के रूप में संबल कार्ड, राशन कार्ड और ऐसे व्यक्ति जिनके वोटर आईडी कार्ड नहीं थे उनका पंजीयन कराया गया। महाराजपुर विधानसभा की नगरपालिका नौगांव में 24.79 लाख लागत के दो भूमि पूजन तथा 41.32 लाख लागत के दो लोकार्पण किए गए। इस अवसर पर पूर्व मंत्री मानवेंद्र सिंह, नपाध्यक्ष अनूप तिवारी, पुष्पेन्द्रनाथ पाठक, सांसद प्रतिनिधि धीरेन्द्र नायक, अभिनेन्द्र पटेरिया सहित पंचायतों के प्रतिनिधि एवं आमलोग उपस्थित थे।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर होगी दण्डात्मक कार्यवाही

खण्डवा । वॉट्सअप, फेसबुक व सोशल मीडिया के अन्य साधनों से आपत्तिजनक पोस्ट करने एवं धार्मिक भावनाएं भड़काने वालों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। अपर जिला दण्डाधिकारी श्री एस.एल. सिंघाड़े ने इस संबंध में दण्ड प्रक्रिया की धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिये है। जारी आदेश के अनुसार आपत्तिजनक संदेश, फोटो या वीडियों को फारवर्ड करने अथवा पोस्ट करने पर ग्रुप एडमिन तथा संदेश प्रसारित करने वाले के विरूद्ध यह दण्डात्मक कार्यवाही होगी। आदेश का उल्लंघन करने पर धारा 188 के तहत कार्यवाही की जायेगी। फेसबुक संचालन करने वाले नागरिक तथा वॉट्सअप ग्रुप एडमिन अपने ग्रुप में धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने वाले संदेश के लिए जिम्मेदार होंगे। अतः वे स्वयं ऐसा कोई विवादास्पद संदेश न तो खुद प्रसारित करे और ना ही अपने ग्रुप के सदस्यों को ऐसा करने दें। यदि वॉट्सअप ग्रुप में कोई आपत्तिजनक संदेश ग्रुप के किसी भी सदस्य द्वारा प्रसारित किया जाता है तो एडमिन की जिम्मेदारी होगी कि वह इसके संबंध में निकटतम पुलिस थाने को सूचित करे। ऐसा न करने पर ग्रुप एडमिन घटना के लिए जिम्मेदार माना जायेगा।

बीमित किसानों को बांटी गई फसल बीमा पॉलिसियां

खण्डवा जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत रबी वर्ष 2022-23 की ÷मेरी पॉलिसी मेरे हाथ÷ वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ 15 फरवरी को कृषि विज्ञान केन्द्र खण्डवा में श्रीमती कंचन तनवे अध्यक्ष जिला पंचायत खण्डवा के मुख्य अतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा बीमित कृषको को रबी वर्ष 2022-23 की फसल बीमा पालिसी का वितरण किया गया एवं जिले के समस्त कृषकों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ उठाने का आव्हान किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रावधान के संबंध में उप संचालक कृषि श्री के.सी. वास्केल द्वारा कृषको को विस्तृत जानकारी दी गई। तथा श्री आनंदसिंह सोलंकी, परियोजना संचालक आत्मा खण्डवा व श्री एल.एस. निंगवाल, सहायक संचालक कृषि द्वारा फसल बीमा योजना के संबध में कृषको से सुझाव लेकर उनकी समस्याओ का निराकरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्री जितेन्द्र सिंह भाटे, कृषि स्थाई समिति अध्यक्ष जिला पंचायत खण्डवा, मुकेश तन्वे, श्रीराम चौधरी , जिला पंचायत सदस्य एवं दीलिप झाला, सांसद प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित कृषको को सम्बोधित कर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बारे में चर्चा की गई।

धार ज़िले में पर्यटन विकास हेतु फ़िल्म बनाने का निर्णय

धार । धार जिले को प्रकृति ने अपने सभी रूपों से बहुत सुंदरता से संवारा है और यहां हर प्रकार की विविधता प्रचुरता से उपलब्ध है। धार में प्रागैतिहासिक काल के जीवाश्म से लेकर भगोरिया के विविध रंगों तक पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं ।धार में बड़ी मात्रा में विशाल जल संरचनाएं मौजूद हैं, यहां पहाड़ भी हैं और ऐतिहासिक स्मारक भी धार की इन्हीं विविध रंगी विशेषताओं को दूर-दूर तक पहुंचाने और धार में बहुरंगी पर्यटन को विकसित करने के दृष्टिकोण से एक फिल्म बनाई जाएगी ।उक्त बात कलेक्टर प्रियंक मिश्र ने जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की कार्यकारिणी बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही ।श्री मिश्र ने बताया कि स्तरीय डॉक्यूमेंट्री फिल्म के निर्माण के लिए ख्याति नाम फिल्मकारों को आमंत्रित किया जाएगा और धार के विभिन्न पहलुओं को उजागर करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर की फिल्म का निर्माण आगामी कुछ माहों में करवा लिया जाएगा ।श्री मिश्रा ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र में राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित स्मारकों को बेहतर बनाने के लिए प्रस्ताव प्रेषित करें। डीएटीसीसी की बैठक में मांडू उत्सव को व्यापक बनाने के लिए पीतमपुर धार मनावर कुक्षी आदि स्थानों पर भी गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए। श्री मिश्रा ने मांडव उत्सव के अतिरिक्त मानसून काल में एक अन्य समारोह मनाने के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए ।बैठक में श्री मिश्रा ने बताया कि निकट भविष्य में निसरपुर से गुजरात केवरिया तक क्रूज प्रारंभ हो रहा है ।इस सुविधा के शुरू होने से पर्यटक क्रूज़ यात्रा के साथ-साथ बाग के राष्ट्रीय जीवाश्म उद्यान को भी देख सकेंगे। मांडू में स्थापित होने जा रहे भील जनजाति सांस्कृतिक केंद्र को आंचलिक कलाओ और संस्कृति से जोड़ने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए। बैठक में हाल ही में मांडू में हुए त 20 देशों के प्रतिनिधियों के आगमन के संबंध में भी समीक्षा की गई एवं भविष्य में जी20 देशों के प्रस्तावित आगमन हेतु तैयारियां अभी से करने के निर्देश दिए गए। जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत केएल मीणा,धार एसडीएम दीपाश्री गुप्ता, पीथमपुर एसडीएम रोशनी पाटीदार ,सरदारपुर एसडीएम राहुल चौहान बदनावर एसडीएम मेघा पंवार, एएसआई एवं राज्य पुरातत्व विभाग के अधिकारी, अशासकीय सदस्य तथा नोडल अधिकारी प्रवीण शर्मा उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने किसान जन आक्रोश रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

भ्रष्टाचारियों एवं कमीशनखोरी पर जमकर बरसे कांग्रेसी नेता

छतरपुर। कस्बा बारीगढ़ में गुरूवार को किसान जन आक्रोश रैली का आयोजन कांग्रेस जिला महामंत्री राजू प्रजापति के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में जिले से कांग्रेस के जिला अध्यक्ष लखनलाल पटेल, पूर्व विधायक शंकर प्रताप सिंह मुन्ना राजा और छतरपुर प्रभारी नारायण प्रजापति सहित कांग्रेसी नेता उपस्थित रहे हैं। मंच से कांग्रेसी कार्यकर्ता प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने बताया कि कांग्रेस की अठारह महीने की सरकार ने कन्यादान योजना में दोगुनी राशि और पेंशन राशि को बढ़ाकर भी दोगुना किया था और 27 लाख किसानों का कर्जा भी माफ किया था। वहीं भाजपा सरकार ने हमारे विधायक खरीद कर सरकार गिरा दी। अब हम इस बार मजबूत सरकार बनाएंगे। वही भाजपा सरकार में भ्रष्टाचारी और घूसखोरी चरम पर है। किसानों को समय पर खाद बीज नही मिलता। आवारा जानवरों से किसान परेशान हैं। बलरामपुर नदी के पास केल नदी का पुल कई वर्षों से टूटा पड़ा है। बारीगढ़ में दो पार्क स्वीकृत है लेकिन आज तक निर्माण नही हुआ जिसकी राशि भी खर्च कर दी गई। इन्ही सभी समस्याओं को लेकर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने महामहिम राज्यपाल के नाम जुझारनगर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस की सभा एवं रैली में तमाम कांग्रेसी नेताओं के अलावा नगर बारीगढ़ से आकाश चौरसिया, अरविंद अहिरवार, ब्रजभान सिंह, दिग्विजय सिंह, कामता अनुरागी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कुबरेश्वर धाम में अव्यवस्थाओं के कारण नागरिकों को हुई कई असुविधाओं पर मप्र मानव अधिकार आयोग ने लिया स्वतः संज्ञान

कलेक्टर एवं एसपी से पांच बिन्दुओं पर एक सप्ताह में मांगा

सीहोर। कुबरेश्वर धाम में रुद्राक्ष महोत्सव के दौरान गुरुवार को फैली अव्यवस्थाओं और लगे लंबे जाम में लोगों को हुई परेशानियों के समाचार उजागर होने पर मानव अधिकार आयोग ने स्वत-संज्ञान में लिया है। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने पांच मामलों में स्वत-संज्ञान लेकर संबंधितों से जवाब मांगा है।

रुद्राक्ष महोत्सव के पहले ही दिन गुरुवार को लाखों लोगों की भीड़ के कारण कार्यक्रम स्थल पर हालात बेकाबू हो गए थे। शुक्रवार को भी भारी भीड़ के बाद रुद्राक्ष वितरण का कार्यक्रम रोक दिया गया। रुद्राक्ष महोत्सव में जलगांव के विवेक के 3 साल के बेटे अमोघ भट्ट की तबीयत पहले से थोड़ी खराब थी। हालत खराब होने पर शुक्रवार को उसकी मौत हो गई थी। इसी तरह गुरुवार को अकोला की रहने वाली 40 वर्षीय मंगला गुरुवार शाम को चक्कर खाकर गिर पड़ी थीं। उन्हें जिला अस्पताल लेकर आए थे, जहां देर रात उनकी मौत हो गई। इससे पहले गुरुवार दोपहर को मालेगांव की रहने वाली 50 वर्षीय महिला ने भी दम तोड़ दिया था। बदइंतजामी की खबरे सामने आने पर अव्यवस्थाओं के कारण नागरिकों को हुई कई असुविधाओं पर मप्र मानव अधिकार आयोग ने स्वत-संज्ञान लिया है। इस मामले में मामले में आयोग ने प्रकरण क्र. 1240/सीहोर/2023 दर्ज कर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक,, सीहोर से निम्न पांच बिन्दुओं पर अगले एक सप्ताह में तथ्यात्मक प्रतिवेदन मांगा है। पांच बिंदुओं में

कुबेरेश्वर धाम में किये जा रहे आयोजन/कार्यक्रम के संबंध में आयोजकों द्वारा किस सीमा तक अनुमानित संख्या व अन्य व्यवस्थायें किये जाने के संबंध में जानकारी देते हुए लिखित में अनुमति चाही गई थी ?

अनुमति के आवेदन पर विचार कर जिला प्रशासन, सीहोर द्वारा अपने प्रशासनिक अनुभवों का उपयोग करते हुए ऐसे अयोजन में कितनी अनुमानित संख्या,, प्रथम दृष्टया पाते हुए अनुमति देते हुए,, ऐसे स्थल पर आ रहे व्यक्तियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य व अन्य जीवन की मूल आवश्यकताओं की उपलब्धता को सुनिश्चित किया गया था ?

आयोजन स्थल के पास स्थित राज्य राजमार्ग पर निर्बाध यातायात के साथ ही कार्यस्थल के आसपास यातायात, पार्किंग आदि के संबंध में आयोजकों द्वारा बतायी गई अनुमानित संख्या और जिला प्रशासन द्वारा अनुमानित संख्या के आधार पर क्या व्यवस्था की गई थी ?

कार्यक्रम के प्रथम दिवस में ही बतायी गई सारी व्यवस्थाएं लगाये गये अनुमानों से अत्यधिक संख्या में व्यक्तियों और वाहनों के आने से अनियंत्रित होने से व्यक्तियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को संभालने के लिए समाधान के क्या प्रयास किये गये हैं ?

कार्यक्रम के प्रथम दिवस ही की गई व्यवस्थाओं से कई गुना अधिक संख्या में व्यक्ति और वाहनों के आने से अनियंत्रित हुए ऐसे वातावरण/परिस्थितियों को ठीक करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा क्या वैधानिक कार्यवाही की गई है ?

मप्र मानव अधिकार आयोग ने कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक, सीहोर से कहा है, कि उपरोक्त सभी बिन्दुओं पर सभी आवश्यक दस्तावेज सहित अगले एक सप्ताह में तथ्यात्मक प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जिससे ऐसे आयोजनों में जिला प्रशासन की भूमिका स्पष्ट हो सके, और व्यक्ति को प्राप्त मौलिक और मानव अधिकारों का भी उचित संरक्षण हो सके। आयोग ने कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सीहोर को फैक्स के माध्यम से सूचना-पत्र (नोटिस) भेजा गया है। इसके संबंध सूचना भी प्रकाशित कराई गई है।

सिवनी विधानसभा क्षेत्र की विकास यात्रा पाथरफोड़ी से हुई प्रारंभ

सिवनी। फरवरी से सम्पूर्ण प्रदेश के साथ ही जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में विकास यात्राएं संचालित की जा रही हैं। इन यात्राओं के माध्यम से ग्रामवार- वार्डवार विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास करने के साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभांवित किया जा रहा है।

इसी क्रम में बुधवार 15 फरवरी को सिवनी विधानसभा क्षेत्र की विकास यात्रा जनपद क्षेत्र ग्राम पाथरफोड़ी से प्रारंभ होकर ग्राम मेहराखापा, मुंडरई, विजयपानी खुर्द, उड़ेपानी, ईदावाड़ी, झीलपिपरिया पहुंची। इस यात्रा में विधायक दिनेश राय, जनपद अध्यक्ष श्रीमती किरण भलावी, पूर्व विधायक नरेश दिवाकर, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ कलेक्टर क्षितिज सिंघल, सीईओ जिला पंचायत पार्थ जैसवाल भी शामिल हुए। इस दौरान विधायक श्री राय एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने विकास कार्यों के लोकार्पण शिलान्यास के साथ ही विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को लाभांवित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री राय ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य दोनों ही सरकारे जनकल्याण की दिशा में कार्य कर रही हैं। युवाओं को रोजगार तथा स्वरोजगार से जोड़ने के लिए आज अनेकों योजनाएं धरातल पर संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का सकारात्मक परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आज युवक रोजगार ढूंढने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बन रहे है। उन्होंने प्रधानमंत्री सृजन योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, स्ट्रीट वेण्डर योजना सहित अन्य योजनाओं के संबंध उपस्थित जनसमुदाय को जानकारी देते हुए युवाओं को आगे आकर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई ने किया स्वास्थ्य परीक्षण

विशेष शिविर के समापन पर किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

छतरपुर । श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठवें एवं समापन दिवस पर स्वयंसेवकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वयं सेवकों ने ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण श्री कृष्णा विश?वविद्यालय के नर्सिंग संकाय विद्यार्थियों के साथ किया। स?वास?थ?य परीक्षण के दौरान रक्त समूह, शुगर एवं ब्लड प्रेशर परीक्षण निशा चौरसिया, अमर सिंह, अनु राजपूत, शिवानी राय, स्वदेश तिवारी द्वारा किया गया। शिविर का समापन स्वयं सेविका मेघा तिवारी द्वारा भारत के तिरंगा को कार्यक्रम अधिकारी कु. वर्षा यादव को सौंपते हुए किया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री कृष्णा विश?वविद्यालय की संरक्षिका श्रीमति कुंती देवी, कुलपति डॉ. अनिल धगड, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी एस राजपूत, उपकुलसचिव श्रीमती मेघना मिश्रा, सरपंच श्रीमति तारा अहिरवार, सचिव शहनाज बानो, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी कु. वर्षा यादव, डॉ. महेश चंद्र अहिरवार सहित ग्रामीण उपस्थित रहे। इस दौरान स्वयं सेविकाओं ने ग्रामीण बच्चो के साथ मिलकर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जिसमे बुंदेलखंड बधाई और देशभक्ति गीत प्रसंशनीय रहे। स्वयं सेविकाओं द्वारा सात दिवसीय शिविर के दौरान विभिन्न अच्छे कार्य करने पर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की तरफ से प्रमाणपत्र और स्मृति चि?ह देकर सम्मानित किया। स्वयं सेविकाओं में मेघा, अनुष्का, भावना, निकिता, एकता, विनीता, योजना, रोशनी, हेमलता, वर्षा, शिवानी, रीमा, संजना, आकांक्षा, खुशबू, नेहा, उमा, आंसी, दीप्ति, ममता, दिव्या, महिमा, रिसालत, रजनी, प्रतीक्षा, अंजना, मनीषा, फूलबती, सोनिया, सपना, शेलिना, सनिधि के साथ स्वयंसेवक कमलेश, धर्मेंद्र, आकाश, तौफीक, उमेश सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

विश?वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन?द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ.पुष?पेन?द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ.अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं प्राध?यापकों ने राष?ट्रीय सेवा योजना के स?वयं सेवकों के उज?जवल भविष?य की कामना की।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण

क्रमांक 586 ज.सं./भो.वि.प्रा./ 23 भोपाल, दिनांक 16/02/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की विद्यानगर योजना के एम.आईजी. भवन क्रमांक बी-91 सेक्टर बी श्री चन्द्रेश भूषण आत्मज स्व.श्री एम.बी. गोयल के नाम पर आवंटित है। आवंटी श्री चन्द्रेश भूषण का स्वर्गवास दिनांक 22.08.2018 को होने के कारण 1.श्रीमती मधु भूषण पत्नी स्व.श्री चन्द्रेश भूषण 2. श्री समीर भूषण पिता स्व.श्री चन्द्रेश भूषण 3. श्रीमती मोनिका अग्रवाल पुत्री स्व.श्री चन्द्रेश भूषण ने उक्त भवन संयुक्त नाम पर मृत्यु प्रमाण पत्र/शपथ पत्र साक्ष्य के आधार पर अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजो के साथ के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

यांत्रिकी विभाग जोन क्रं. 16 महारानी लक्ष्मीबाई, अयोध्या नगर भोपाल-462011

निविदा आमंत्रण घोषणा पत्र

क्र.../यां. वि./2022-23 भोपाल दिनांक../../2023

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार पर्सेंटेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर	कार्य की अविध
1	2022_ UAD _ 235145_2	CONSTRUCTION Of Boundary Wall and Paving Block Infront Of Community Hall at Narela Shankri Jod Chatarapati Colony, W-65, Z-16	382401/-	3824/-	2000/-	01 Months	MPUADD Building ISSR 2021

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/
2. The Bid Document can be purchased only online from 10:30A.M. (time) 15.12.2022 (date) to 17:30P.M. (time) 01.03.2023(date).
3. Amendments to NIT (if any) would be published on website https://www.mptenders.gov.in/only, and not in newspaper.

The initial period of 5(Five) year after completion shall be treated as Defect Liability Period (DLP)

नि.क्र. 1604/022/023

कार्यपालन यंत्री (सिविल)
नगर निगम भोपाल

अमलपुरा-राई - गेहूं व चना पंचीयन की साईड धीमी, किसान परेशान

खंडवा जिले में गेहूं व चना पंचीयन के लिए किसान जुड़ने लगे हैं लेकिन सबसे बड़ी समस्या तो गेहूं व चना पंजीयन की साइट बहुत ही धीमी गति से चला है।इस कारण शासकीय सोसायटीओं में दिन भर में मात्र 20 से 25 किसानो के ही पंजीयन हो पाते हैं और किसानों को समय खत्म हो जाने का हवाला देकर घर भेज दिया जाता है सोसाइटी के कर्मचारी, बाबू किसानों को पायवेट ऑनलाइन कियोस्क सेंटर पर पंजीयन के लिए कहा दिया जाता है पायवेट ऑनलाइन सेंटर पर पंजीयन का शुल्क 50 से ?100 तक ले लिया जाता है जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान होता है जबकि शासकीय सोसाइटी में पंजीयन निशुल्क होता है।किसानों को अपना खेती किसानी का काम छोड़कर पंजीयन के लिए बैठना पड़ता है और अंत में गैर शासकीय सेंटर पर पंजीयन के लिए जाना पड़ता है जिससे कि किसान को 50 से ?100 का फटका लग जाता है। एक ऐसा ही मामला भामगढ़ की वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति मर्यादित में देखने को मिला।जहां पर किसानों को पंजीयन के लिए अपनी बारी का इंतजार करते देखा गया वही शासन के द्वारा प्रत्येक पंचायत में भी स्थापित सुविधा केंद्र पर निशुल्क गेहूं व चने पंजीयन की व्यवस्था कराने की व्यवस्था कराई गई लेकिन जिले में अधिकातर पंचायत में गेहूं व चने का पंजीयन नहीं होना आश्चर्य का विषय है क्या शासन के दिशा निर्देश मात्र एक घोषणा ही रह जाएंगे।जबकि जिले में शासन की विकास यात्रा निकाली जा रही है ग्राम राई के किसान राजेश व रामनारायण वर्मा ने बताया की सोसाइटी में गेहूं चना पंजीयन के लिए पहुंचे थे लेकिन साईड बहुत धीमी चलने से हमें परेशान होना पड़ा। इसी प्रकार दबी जुबान से अमलपुरा, भामगढ़,भावसिंहपुरा, मानपुरा, धरमपुरी, पेटियां सहित बडगावमाल के किसानों ने कही।

इनका कहना है

जिले में गेहूं चना पंजीयन की साइट धीमी चल रही है द्य इसलिए टाइम बहुत लग रहा है बीच-बीच में साइड बंद हो जाती है।

नानकराम राठौर प्रबंधक वृत्ताकार सेवा समिति मर्यादित भामगढ

कार्यालय नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

MUNICIPAL CORPORATION CHHINDWARA

Add. In Front of Shukla Ground. Guraiya Road
Ward No. 39, Chhindwara-480001 IMP
Tel. 07162-222346 Email:- commchhindwara@mpurban.gov.in

S.No./ 6741/Health Dep./NPN/2023 Chhindwara Dated 17/02/23

-: TENDER INVITATION :-

Interested registered manufacturer or distributor/stockist/wholesaler is informed that Municipal Corporation Chhindwara invites online tender through Gem for the supply of the following goods, details of which are as follows-

Tender (Bid) ID	Description	Estimeted Cost	EMD	Category of Tender	Time period for completion
GEM/2023/B/3149224	4 Nos. E-Rickshaw. Garbage Collection Vehicle As per the specification attached in the tender	12 Lac	9,000,00	Reputeted manufacturer or distributor /stockist / wholesaler	In 15 days from the date of work order

1. Interested tenderers can be seen other documents to Gem Portal https://www.gem.gov.in/ Lits of Bids II Bid Listing Advance Search II Advance Search for Ongoing Bids.
2. The Bid Document can be purchased only online from 17/02/2023 time 17:41 to 04/05/2023 time 18:00.
3. Amendments to the tender can be seen only on the website, it will not be published in the newspapers.

Executive Enigneer
Municipal Corporation Chhindwara

राजधानी में महा शिवरात्रि की धूम

सीएम ने की बड़वाले महादेव मंदिर में की पूजा, निकली शिव बारात

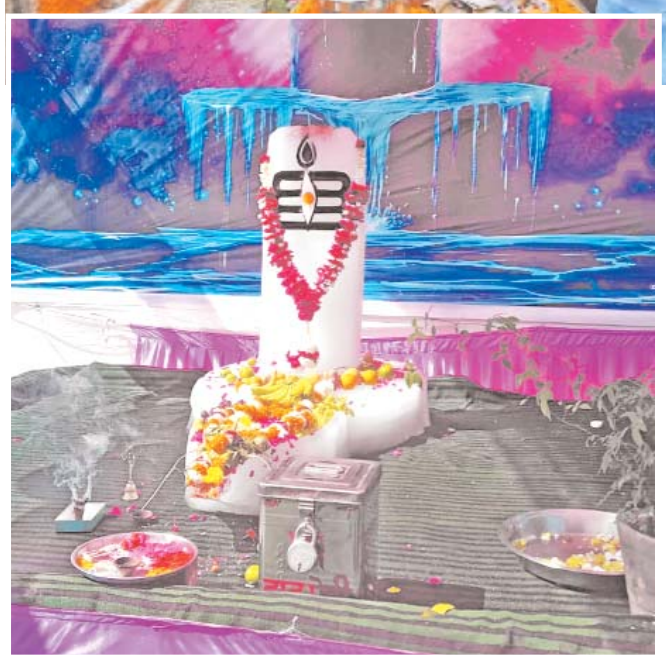

ओल्ड पेंशन स्कीम,जिंदगी के साथ भी,जिंदगी के बाद भी

दुनिया में कामकाजी बुज़ुर्गों का ख्याल,भारत में युवा बेहाल

बृम्हदीप अलुने

बुजुर्गों का दीर्घायु होना समाज पर बोझ है या फायदा,यह इस चुनौती के लिए निपटने की तैयारियों पर निर्भर करता है। 2019 में जापान में हुई जी-20 बैठक में बुढ़ापे को चर्चा की प्राथमिकता सूची में रखा गया था। बूढ़े लोगों के लिए जापान में जो सम्मान है वह समाज ही नहीं,सरकार की नीतियों में भी दिखता है। जापान की कम से कम 20 फ़ीसदी आबादी 70 साल से ऊपर की है। जापानी बहुत मेहनती माने जाते है और यह देश अपने बुजुर्गों को सेहतमंद रखने के लिए सरकारी सुविधाओं से लेकर निजी संस्थानों तक खूब ध्यान रखता है। पेंशन योजना का विचार जर्मनी से आया था और उसके बाद दुनियाभर की सरकारें यह दिखाने को बेताब हो गई कि वे अपने बुजुर्गों की देखभाल कैसे करते हैं। दुनिया के कई देशों ने गरीब बुजुर्गों की समस्या को सुलझाने की दिशा में काम शुरू किया। डेनमार्क में पेंशन की शुरुआत हुई ताकि युवा कर्मचारी अमेरिका न जाएं। न्यूज़ीलैंड में भी इसी मकसद से पेंशन लागू की गई। दरअसल कामकाजी लोग जब रिटायर्ड होते है तो उनके जीवन के नये चरण की शुरुआत होती है जो संभवतः वयस्क जीवन के बाद वाले हिस्से जितना ही लंबा हो सकता है। रिटायर्ड होने के बाद की यह जिंदगी,उम्र के दायरों से कहीं बाहर होती है जो अधिक व्यक्ति केंद्रित होती है,खुशहाली पर केंद्रित होती है और उनका सुख-सुविधाओं जोर होता है। बुजुर्गों को पेंशन और अन्य सुविधाएं देकर दुनिया के कई देश,अपने वरिष्ठ नागरिकों का देश के प्रति योगदान के लिए कृतज्ञता प्रकट करने के लिए करते है। यह सम्मान और लाभ भारत की शासकीय सेवा में जीवन खपाने वाले बुजुर्गों को तो मिल ही सकता है।

आर्थिक और सामाजिक असमानता से अभिशिप्त भारतीय समाज के करोड़ों लोगों के लिए सुखी और खुशहाल जीवन एक सुनहरा सपना होता है। निम्न और मध्यवर्गीय लोगों के पास जमीन और व्यवसाय की कोई संभावनाएं नहीं होती और न ही उनके पास जमा पूंजी होती है। लिहाजा वे अपनी संतान को पढ़ा लिखा सरकारी नौकरी दिलवाने चाहते है। बेहद कम कमाई वाले कई परिवार अपनी जमीन जायदाद को बेचकर घर के किसी एक सदस्य की सरकारी नौकरी को आने वाली पीढ़ियों के लिए संजीवनी समझते है। खासकर वंचित समाज के लिए सरकारी नौकरी का अर्थ विषमताओं पर विजय हासिल करने जैसा होता है।

सरकारी नौकरियों से इस देश के कई गरीब परिवारों के जीवन बदलें है और वे अपनी भावी पीढ़ी के लिए भी आश्वस्त हुए है कि अब उन्हें गुरबत के उस दौर में नहीं लौटना पड़ेगा जहां कड़ी मेहनत और शोषण से बेहाल रहना पड़ता था। भारतीय परिवेश में जमा पूंजी या संग्रहण को आवश्यक समझा जाता है और इसे मुश्किल समय में,बुढ़ापे के साथ परिवार के लिए अनिवार्य बताया गया है।

जाहिर है सरकारी नौकरी में पेंशन योजना,कार्मिक और परिवार के जीवन और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सेवा से निवृत होने के बाद घर के राशन खरीदने,किराया चुकाने या कर्ज लौटाने को इससे ज़्यादा अहमियत पेंशन की होती है। पेंशन के बारे में कार्मिक का यह मानस होता है कि यह आय का एक स्थिर स्रोत प्रदान करते हैं जब किसी को सबसे अधिक आवश्यकता होती है। वे लंबी अवधि में आपकी आय का एक हिस्सा संचित करने में आपकी सहायता करते हैं,ताकि इस धन का सेवानिवृत्ति के बाद उपयोग किया जा सके।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को कई चुनौतियों से जूझना पड़ता है और वह अपनी समस्याओं के हल के लिए सुशासन स्थापित करने के लिए प्रतिबद्धता दिखाता रहा है। सुशासन की आठ प्रमुख विशेषताओं में जवाबदेही,पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को शामिल किया गया है। कार्मिकों से यह अपेक्षा होती है कि वे जिम्मेदारी से काम करते हुए भ्रष्टाचार की संभावनाओं को उत्पन्न ही नहीं होने दे। वहीं राज्य का प्रमुख ध्येय है संवेदनशील,पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन की स्थापना करना। इसे साकार करने में अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकारी सेवाओं से जुड़े कर्मचारी भविष्य के प्रति सुरक्षित महसूस करें तभी वे सेवाकाल में सुशासन के लिए अपना अमूल्य योगदान दे सकते हैं। राज्य के विकास एवं आमजन को राहत देने के लिए सभी कार्मिक मानवीय दृष्टिकोण तथा कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। यह कोई भी लोकतांत्रिक सरकार चाहती है। इसके लिए यह भी जरूरी है कि सभी कार्मिकों के व्यापक सामाजिक और आर्थिक हितों की रक्षा की जाएं।

उदारीकरण के बाद सामाजिक मूल्यों में भी परिवर्तन आया है,यहीं नहीं सरकारों ने भी आम जनता को बाज़ार के उतार चढ़ाव के हवाले कर दिया है। सरकारी सेवा को लेकर भारत का कार्मिक समाज दो भागों में बंट गया है। 2004 के पहले का एक समाज वह है जो पेंशन के फायदों से भावी भविष्य को लेकर आश्वस्त है। वहीं 2004 के बाद का एक वह समाज है जो नई पेंशन स्कीम को लेकर आशंकाओं से ग्रस्त है।

भारत में ओल्ड पेंशन स्कीम यानी पुरानी पेंशन योजना के तहत सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी को पेंशन दी जाती है जो सेवानिवृत्ति के समय मिलने वाले मूल वेतन का 50 प्रतिशत होता है। यानी मूल वेतन का आधा हिस्सा पेंशन के रूप में दिया जाता है। इतना ही नहीं, सेवानिवृत्त कर्मचारी को कार्यरत कर्मचारी की तरह लगातार महंगाई भत्ता में बढ़ोतरी की सुविधा भी मिलती है। इससे महंगाई बढ़ने के साथ-साथ पेंशन में भी बढ़ोतरी होती रहती है। 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने पुरानी पेंशन योजना बंद कर दी थी। इसके बाद एक नई स्कीम लागू की। नई स्कीम के तहत पेंशन की रकम सरकार की ज़िम्मेदारी न होकर बाज़ार जोखिमों के अधीन है।

पुरानी पेंशन योजना से पूरे परिवार के हितों की गारंटी मिलती है जैसे पति की मृत्यु के बाद आजीवन उनकी विधवा को इसका लाभ मिलना तय है। पेंशन के लिए वेतन से कोई कटौती नहीं होती है,यह एक सुरक्षित पेंशन योजना है इसका भुगतान सरकार की ट्रेजरी के जरिए किया जाता है। रिटायरमेंट के बाद 20 लाख रुपए तक ग्रेच्युटी मिलती है। पुरानी पेंशन योजना में सर्विस के दौरान मौत होने पर फैमिली पेंशन का प्रावधान है। यहां तक की पेंशन को टैक्स की झंझट से भी मुक्त रखा गया है। इन प्रावधानों का असर निश्चित तौर पर सेवारत कर्मचारी के व्यवहार और जवाबदेही पर भी पड़ता है। वे निश्चिंतता के साथ लोककल्याण में भागीदार बनते है।

वहीं जिंदगी के साथ और जिंदगी के बाद सुरक्षा की गारंटी देने वाली पेंशन योजना की जगह जो नई पेंशन योजना लाई गई,वह पूर्णतः शेयर बाजार आधारित है। बाजार की चाल के आधार पर ही भुगतान होता है। बाजार से मिलने वाले रिटर्न पर कोई गारंटी नहीं होती है। इसका अर्थ बेहद स्पष्ट है कि जैसे बाज़ार जोखिमों के अधीन होता है,वैसे ही कार्मिक की पूरी जिंदगी की कमाई और जोखिम में डाल दिया गया है। यह योजना कितनी अस्थिरता को बढ़ावा देने वाली है इसका अंदाजा इसके नियमों को देखकर समझा जा सकता है। अब रिटायरमेंट के समय ग्रेच्युटी का अस्थाई प्रावधान है। कार्मिक के सेवाकाल में मृत्यु के बाद फैमिली पेंशन मिलती है,लेकिन योजना में जमा पैसे सरकार जब्त कर लेती है। यहीं नहीं अब कार्मिकों को बाज़ार पर निर्भर रहने के लिए मजबूर कर दिया गया है। जैसे अब रिटायरमेंट पर शेयर बाजार के आधार पर जो पैसा मिलेगा,उस पर टैक्स देना पड़ेगा। पुरानी पेंशन योजना में रिटायरमेंट के समय पेंशन प्राप्ति के लिए जीपीएफ से कोई निवेश नहीं करना पड़ता है। लेकिन अब रिटायरमेंट पर पेंशन प्राप्ति के लिए एनपीएस फंड से 40 फीसदी पैसा इन्वेस्ट करना होता है। नई स्कीम में जमा पूंजी को लेकर इतनी आशंकाएं है कि अब यदि कार्मिक की तनख्वाह अस्सी हजार है तो उसे हर महीने पेंशन के नाम पर महज चार हजार रुपया प्राप्त होगा जो की 2004 के पहले की योजना अनुसार चालीस हजार होता है।

सुशासन एक समतामूलक समाज के निर्माण का आश्वासन देता है। लोगों के पास अपने जीवन स्तर में सुधार करने या उसे बनाए रखने का अवसर होना चाहिये। शासन में सत्यनिष्ठा का उद्देश्य,शासन में जवाबदेही सुनिश्चित करना,लोक सेवा में ईमानदारी बनाए रखना,प्रक्रिया का अनुपालन सुनिश्चित करना,सरकारी प्रक्रिया में लोगों का विश्वास बनाए रखना,कदाचार,धोखाधड़ी एवं भ्रष्टाचार की संभावना से बचना है। इस समतामूलक समाज की स्थापना के सबसे बड़े पहरुओं अर्थात् सरकारी कार्मिकों की भविष्य की सुरक्षा का ध्यान रखना जरूरी है। कार्मिकों की भविष्य की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने का सबसे बड़े जरिया भारत में पेंशन को माना जाता है। यदि वह अनिश्चित है तो समझिए सुशासन की संभावनाओं की बनाने वाले सबसे बड़े वर्ग की कार्यक्षमता प्रभावित होना तय है। यह स्थिति राज्य को लक्ष्य से दूर कर सकती है।

सनातन यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

छिंदवाड़ा । सनातन धर्म की रक्षा के लिये विश्व विख्यात कथा वाचक आचार्य देवकीनन्द ठाकुर ने पोला ग्राउंड शिवपुराण कथा स्थल से सनातन यात्रा निकाली जिसमें भारी संख्या में महिलाओं एवं पुरूषों ने भाग लिया। यात्रा अनगढ़ हनुमान मंदिर, फव्वारा चौक, गोलगंज, मेन रोड, छोटा बाजार, बड़ी माता मंदिर, मेन रोड, पुराना छापाखाना, बुधवारी बाजार, मोहबे मार्केट, मुख्य डाक घर से होते हुये दशहरा मैदान पहुंची। देवकीनन्दन महाराज द्वारा भारत को हिन्दु राष्ट्र घोषित करने यह यात्रा निकाली गई थी, यह यात्रा सन् 2024 तक देश के विभिन्न शहरों एवं गांव से निकाली जायेगी। यात्रा में सभी धर्म प्रेमी के अलावा जिला भाजपा अध्यक्ष विवेक साहू बंटी ने यात्रा का संयोजन किया था।

कल सौंसर आयेंगे मुख्यमंत्री

छिंदवाड़ा । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 19 फरवरी को सौंसर के मोहगांव नाका शिवाजी चौक पर छत्रपति शिवाजी महाराज की अश्वरोही प्रतिमा का लोकार्पण व अनावरण करेंगे तथा विकास यात्रा से संबंधित कार्यक्रम में दोपहर 2 बजे भाग लेंगे।

आज 1500 किलो बर्फ से निर्मित शिवलिंग के पातालेश्वर धाम में होंगे दर्शन

छिंदवाड़ा । नागा साधुओं की तपोभूमि श्री पातालेश्वर धाम में महाशिवरात्रि के दिन बाबा अमरनाथ बर्फानी का शिवलिंग बनाया जायेगा शिव शक्ति सेवा मंडल सेवादार कृष्णा सेठिया, राकेश साहू ने जानकारी देते हुए बताया की 2003 से प्रतिवर्ष भक्तों के चरणों की धूलि मस्तक पर लगाकर श्री पातालेश्वर धाम सेवा कार्य में फलाहारी भंडारा लगाया जा रहा है करीब 1500 किलो बर्फ से 8 फिट ऊंचा यह शिवलिंग का निर्माण शिवलिंग बनाने में महारथ रखने वाले मंडल कलाकार चैतन्य सोनी (टिंकू) सहित सेवादारों के द्वारा बनाया जायेगा एवं पूजन अभिषेक किया जायेगा श्री पातालेश्वर धाम में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को शिव शक्ति सेवा मंडल के 21 वें फलाहारी भंडारे में दर्शन होंगे मंडल का विशेष आकर्षण होगा इस वर्ष भंडारे में 11 तरह के एक से बढ़कर एक व्यंजन परोसे जायंगे बाबा बर्फानी के दर्शन करने अनुष्ठान कर आशीर्वाद पाने के लिए व्यंजनों का आनंद लेने के लिये मंडल सेवादार डॉ. गोपाल जायसवाल,संतोष गुप्ता, जयप्रकाश गुप्ता, मनोज चौरसिया,नरेश चौरसिया,धर्मेंद्र गुप्ता, आनंद चौरसिया, कुंदन मिगलानी, प्रवीण बक्षी, ने अपील की।

नटनी माई सेवा समिति ने पीड़ित को नकदी सहित दी राहत सामग्री

अमरवाड़ा । नगर में विगत दिनों हुई आगजनी से पीड़ित परिवारों को नटनी माई सेवा समिति द्वारा नगदी सहित राहत सामग्री वितरित की गई। आगजनी से पीड़ित परिवार रामकुमार वर्मा वार्ड नंबर 09 को लगभग 15,000 मूल्य की गृहस्थी की सामग्री किराना,कपड़े,बनाने खाने के बर्तन व रामकुमार के छोटे भाई जंगी वर्मा को 3100 रूपए की नगद मदद की गई। विदित हो की 14 फरवरी की रात 9 बजे अचानक विकराल रूप से घर में आग लग जाने से वर्मा परिवार अपनी जान बचाकर चीख पुकार करते घर के बाहर भागे। वही जानकारी के बाद फायर ब्रिगेड आई तब तक दोनों भाइयों का मकान व गृहस्थी की सामग्री जलकर राख हो चुकी थी। परिवार की तात्कालिक परेशानी को देखते हुए नटनी माई सेवा क्षेत्रीय समिति द्वारा गृहस्थी की सामग्री भेंट की गई। इस अवसर पर समिति के संरक्षक बालकिशन साहू, श्रीमति संध्या राय रिटायर्ड शिक्षिका,समिति अध्यक्ष बूटी नेमा,समिति संरचनाकार राधेश्याम सोनी लिपिक, कोषाध्यक्ष गणेश साहू, सहकोषाध्यक्ष ओमप्रकाश विश्वकर्मा, सलाहकार श्याम चौरसिया, सुशील ठाकुर, मुकेश नेमा, धनराज सिंह चंदेल, विनोद साहू,गोपाल राय,कामता प्रसाद साहू, संतोष निहोरे, श्याम सोनी की उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय हिंदू सेना द्वारा आज बांटा जायेगा 51 हजार रुद्राक्ष

दिल्ली की झांकी द्वारा साक्षात 12 ज्योतिर्लिंग के कराये जायेंगे दिव्य दर्शन

छिंदवाड़ा । राष्ट्रीय हिंदू सेना छिंदवाड़ा के तत्वाधान में महाशिवरात्री पर्व पर आज रुद्राभिषेक कर 51 हजार पंचमुखी रूद्राक्ष की भव्य शिवलिंग बनायी जायेगी जिसमे महाशिवरात्री के दिन दिनांक 18फरवरी दिन शनिवार सुबह 10बजे से स्थानीय पातालेश्वर मे राष्ट्रीय हिंदू सेना द्वारा सिद्ध पंचमुखी रुद्राक्ष बांटा जाएगा एंव दिल्ली से भव्य आकर्षक झांकी से भस्म आरती कि जायेगी एंव साक्षात झांकिया द्वारा 12 ज्योतिर्लिंग दर्शन कराया जायेगा एंव अन्य प्रस्तुति दी जायेगी एंव विशाल भंडारे के साथ छाछ का वितरण किया जायेगा।

रावनवाड़ा से 18 किलो मीटर दूर शिवपुरी चला गया थाना

छिंदवाड़ा । परासिया विकास खण्ड के ग्राम रावनवाड़ा के आदिवासी समाज एवं ग्राम वासियों ने जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुन्हार एवं पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि रावनवाड़ा में जो थाना था उसे रातो रात शिवपुरी में स्थानांतरित कर दिया गया, जिससे रावनवाड़ा क्षेत्र में अपराधिक गतिविधियां बढ़ गई है। हालांकि थाना रावनवाड़ा के नाम से संचालित हो रहा है। रावनवाड़ा के आस-पास 11 पंचायत एवं 25-30 हजार की आबादी प्रभावित हो रही है, रावनवाड़ा से शिवपुरी 18 किलोमीटर दूर है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी हो रही है, संजय पुन्हार ने आवेदन पुलिस अधीक्षक को भेजकर थाना रावनवाड़ा में ही रखनेकी मांग की है।

मोटर सायकल स्टण्ड का वीडियो वायरल

छिंदवाड़ा । वैलेंटाईन डे पर एक आशिक ने अपनी मासुका के लिए मोटर सायकल पर इमलीखेड़ा अंडर पास में स्टण्ड बाजी की जिसका विडियो सोशल मीडिया में खूब वायरल हुआ, यातायात एस डी ओ पी सुधेशसिंग ने बताया कि वीडियो मेरे संज्ञान में आया है, जिसने स्टण्ड किया है वह गलत है और उसकी खोज की जा रही, मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जावेगी।

मरीजों को बेहतर सुविधायें उपलब्ध करायें: कलेक्टर

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों की हड़ताल के दृष्टिगत जिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान उन्होंने आकस्मिक चिकित्सा कक्ष, मेडिसिन ओपीडी कक्ष, गायनिक ओपीडी और अन्य वार्डों का निरीक्षण किया तथा मरीजों के उपचार, उपलब्ध दवाईयां और चिकित्सकों की उपस्थिति के साथ ही मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिये कि सभी मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायें और कोई भी मरीज उपचार से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करें । उन्होंने हर समय आकस्मिक चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराने और आकस्मिक चिकित्सा कक्ष में चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये । निरीक्षण के दौरान आकस्मिक चिकित्सा कक्ष, मेडिसिन ओपीडी कक्ष और गायनिक ओपीडी में चिकित्सक उपस्थित पाये गये । चिकित्सकों ने बताया कि सभी वार्डो में चिकित्सकों के राउंड हो गये हैं और मरीजों की जांच कर ली गई है । गायनिक ओ.टी.में 4 सीजर ऑपरेशन किये गये हैं तथा आकस्मिक चिकित्सा कक्ष में चिकित्सकों की ड्यूटी लगा दी गई है । निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जी.सी. चौरसिया, सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय डॉ.एम.के. सोनिया, आर.एम.ओ.डॉ. संजय राय, अन्य चिकित्सक और अधिकारी उपस्थित थे ।

प्रतिमा और वंदना को सौंपी जिम्मेदारी

छिन्दवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ एवं जिले के सांसद माननीय नकुलनाथ के निर्देशानुसार कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के पदाधिकारियों को नवीन जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने नियुक्त पत्र प्राप्त कर संकल्प लिया कि माननीय कमलनाथ जी को पुनः मुख्यमंत्री एवं माननीय नकुलनाथ जी को सांसद बनाने हेतु वे पूर्ण निष्ठा व सक्रियता के साथ कार्य करते हुये नेताद्वय के हाथों को मजबूती प्रदान करेंगी।

ग्राम भूला मोहगांव एवं कर्वे पिपरिया में चलाया जागरूकता अभियान

छिंदवाड़ा । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा विकासखंड के माध्यम से बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू कर रहे विद्यार्थीयो ने अपने परामर्श दाताओं के साथ मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक पवन सहगल ,एवम ब्लाक समन्वयक अखिलेश जैन के कुशल मार्गदर्शन में परामर्शदाता विनोद तिवारी,परामर्श दाता श्रीमती लता नागले के नेतृत्व में अपनी प्रयोगशाला ग्राम में बीएसडब्ल्यू ,एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थी एवम समाजसेवी डाक्टर श्रीमती शशि विश्वकर्मा, ग्राम करवे पिपरिया में बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के विद्याथी एवम समाजसेवी डाक्टर महेश बंदेवार, सुश्री स्टेला ,सुश्री मनसा डेहरिया,श्रीमती शशि विश्वकर्मा,अमित बरखानिया, चितेश डेहरिया,कामेश,अभिषेक विश्वकर्मा सहित अन्य विद्यार्थियों ने अपनी प्रयोगशाला ग्राम करवे पिपरिया,ग्राम भुला मोहगाव ,में ग्रामीणों से उनकी शासन द्वारा संचालित योजनाओं को जानकारी एवम उसके समाधान की बात की साथ ही दोनो ग्राम के प्राथमिक शाला एवम माध्यमिक शालाओं में बच्चो से संवाद के माध्यम से उनकी पढ़ाई मध्यान भोजन,उनके शैक्षणिक जानकारी प्राप्त की साथ ही उन्हें स्वच्छता स्वास्थ जागरूकता एवम नशमुक्ति हेतु अवयशक टिप्स प्रदान किए,साथ ही ग्राम पंचायत भुला मोहगांव में पंचायत भवन में उपस्थित ग्रामीण जनों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी एवम ग्राम की विधवा पेंशन योजना,विकलांग कल्याण पेंशन योजना,सहित अन्य जानकारी ग्राम सचिव एवम सहायक सचिव से प्राप्त की । इस अवसर पर छिंदवाड़ा विकाश खंड की नवांकुर संस्था बहुउद्देशीय शैक्षणिक विकाश समिति ,मैत्री नगर विकाश प्रस्फुटन समिति, सिद्धि विनायक नगर विकाश समिति के पदाधिकारियों एवम मेंबर्स ने बैठक लेकर सभी ग्रामीण जनों को पशुधन ,जैविक कृषि ,ग्राम स्वच्छता की जानकारी प्रदान की ।इस अवसर पर अपनी प्रयोगशाला ग्रामों में विकाश यात्रा की जानकारी भी समिति के पदाधिकारीयो ने ग्रामीण जनों को प्रदान की।

श्रद्धालुओं से भरा पिकप वाहन पलटा, 4 की मौत

महादेव मेले में जा रहा वाहन खाई में गिरा

छिंदवाड़ा । महादेव मेला में जा रहा यात्रियों से भरा वाहन गोरख घाट की घाटी गुलाई पर अनियंत्रित होकर पलट कर 200 फीट गहरी खाई मैं गिर गया, जिसमें 4 व्यक्तियों की मौत हो गई वहीं 7 गंभीर घायल को जुनारदेव अस्पताल लाया जा रहा है घटना के समय पिकअप वाहन में बैतूल जिले के आठनेर के 25 से 30 लोग सवार थे जो महादेव मेला जा रहे थे घटना गोरख घाट की हैं जो दमुआ से भूरा भगत जाने वाले मार्ग पर स्थित है जुन्नारदेव पुलिस मौके पर पहुंची क्रेन की सहायता से

वाहन और यात्रियों को निकाला जा रहा है

सवा करोड़ शिवलिंग का विशेष पूजन आज

छिंदवाड़ा। महादेव पार्टी द्वारा विगत दिनों से शिवलिंग निर्माण कार्य चल रहा था, जिसमें एक करोड़ शिवलिंग निर्माण का लक्ष्य था, और जनता के आशीर्वाद से सवा करोड़ शिवलिंग का निर्माण पूर्ण हो चुका है । महादेव पार्टी प्रमुख नितिन राय ने कहा कि सवा करोड़ शिव लिंग का पूजन पाठ आज शिवरात्रि के पावन पर्व पर विधिवत रूप से किया जायेगा । महादेव पार्टी ने नगर की जनता से अपील की है कि आज सवा करोड़ शिवलिंगों के दर्शन हेतु सिद्ध नीलकंठेश्वर मंदिर, गुलाबरा पहुँचे ।

प्रदेशव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम 19 फरवरी को

कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियों को पौधारोपण कराये जाने के निर्देश

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिये आम जन को पौधारोपण के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से 19 फरवरी को प्रदेशव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया है । इस निर्णय के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि जिले में 19 फरवरी को प्रचलित विकास यात्रा आरंभ स्थल पर सामुदायिक रूप से पौधारोपण करवाया जाकर यात्रा प्रारंभ करें तथा जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक सार्वजनिक स्थान चिन्हित कर अधिकतम 5 पौधों का रोपण करायें । जिले की प्रत्येक शिक्षण संस्थाओं सभी विद्यालयों, महाविद्यालय में अधिकतम पौधों का रोपण करायें और कार्यक्रम के अंतर्गत 19 फरवरी को किये जाने वाले पौधारोपण का वायुदूत (अंकुर) एप पर पृथक से पंजीयन कर फोटो अपलोड करायें । जिले में सोशल मीडिया व अन्य प्रचार माध्यमों से कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के साथ ही अंकुर कार्यक्रम के प्रतिभागियों द्वारा पूर्व में रोपित पौधों की सिंचाई व सुरक्षा के लिये संदेश प्रसारित करवायें। ये निर्देश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, दक्षिण, पश्चिम व पूर्व वनमण्डलाधिकारी, आयुक्त नगरपालिक निगम, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य, उप संचालक उद्यानिकी, जिला समन्वयक म.प्र.जन अभियान परिषद, जिला परियोजना प्रबंधक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को दिये गये हैं ।

चौरई के विकासखंड बिछुआ के 5 ग्रामों में विकास यात्रा

छिन्दवाड़ा। जिले के विधानसभा क्षेत्र चौरई के विकासखंड बिछुआ में विकास यात्रा ग्राम पिपरियाकला से प्रारंभ हुई और ग्राम खमरा, थोटामाल और ग्राम पाथरी होते हुये ग्राम खमरियामाल पहुंची। विकास यात्रा के दौरान ग्राम खमरा में आयोजित सभा में ग्राम पिपरियाकला व खमरा, ग्राम थोटामाल में आयोजित सभा में ग्राम थोटामाल, थोटारैयर, नाहरझिर व कान्हासागर, ग्राम पाथरी में आयोजित सभा में ग्राम गुमतरा, पाथरी, बंधानलाल व पठराखुर्द और ग्राम खमरियामाल में आयोजित सभा में ग्राम खमरियामाल, खमरियारैयत, सिंगारदीप, सागर व बंधानरैयत के ग्रामवासी शामिल हुये । सभा के दौरान हितग्राहियों को हितलाभ वितरित करने के साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान कन्या पूजन किया गया व छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये ।

भारत से बड़ा महिला सम्मान दुनिया का कोई भी देश नही कर सकता: आचार्य देवकीनन्दन

कथा में बताई शिव महिमा

आचार्य देवकी नंदन ठाकुर महाराज ने आठवें दिन की कथा में शिव महिमा का वर्णन करते हुए सृष्टि के सृजन और अब तक हुए शिव अवतारों की कथा सुनाई उन्होंने आज फिर स्कूल में संस्कारों ,महिला सशक्तीकरण पर बात करते हुए कहा कि महिला अधिकार और शक्ति सम्पन्न है नारी के बिना ब्रम्हा जी सृष्टि की रचना ही नही कर पाए थे उन्होंने कहा कि भारत से बड़ा महिला सम्मान दुनिया का कोई भी देश नही कर सकता है आज एक आदिवासी महिला देश की राष्ट्रपति है महादेव स्वयं जगदंबा बनकर भी प्रकट हुए तब सृष्टि बनी है

कलेक्टर -एस पी ने उतारी आरती

शुक्रवार को आठवें दिन के शिव महापुराण कथा महोत्सव में व्यास पीठ पूजन और आरती साहू परिवार के नरेंद्र साहू विवेक साहू नवीन साहू परिवार के साथ ही कलेक्टर शीतला पटले एस पी विनायक वर्मा सहित समाज सेवियों ने की दोनों अधिकारियों ने पंडाल में बैठकर कथा भी सुनी 18 फरवरी को शिव महापुराण कथा महोत्सव में महाशिवरात्रि महोत्सव मनाया जाएगा इस अवसर पर कथा से पूर्व यहां ढाईलाख पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कर अभिषेक किया जाएगा

छत्तीसगढ़ में आदिवासी समाज के लिए खूब काम किए: अनुसुइया उइके

मणिपुर की राज्यपाल बनने पर प्रेस क्लब ने किया सम्मान

छिंदवाड़ा । छत्तीसगढ़ के बाद मणिपुर की राज्यपाल बनाए जाने पर छिंदवाड़ा प्रवास पर आईं सुश्री अनुसुईया उईके पत्रकारों से रूबरू हुईं प्रेस क्लब भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में साढ़े तीन वर्ष के कार्यकाल में उन्होंने हर समाज के लोगों के लिए काम किए दोनो दलों से भी उनके अच्छे संबंध थे। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रहते उनसे आदिवासी समाज के लोगों को बहुत उम्मीद थी लोग अपनी समस्या को हल कराने पैदल चले आते थे उन्हें उम्मीद जाग गई थी कि हमारी संरक्षक आ गईं हैं। उन्होने बताया उनके द्वारा किए गए कार्य के लिए प्रदेश के लोग उन्हें कभी नहीं भूलेंगे राज्यपाल सुश्री उईके के बताया कि प्रदेश में सूपेवाड़ा ऐसा क्षेत्र था जहां किडनी की बीमारियों से लोग मर जाते थे वहां पीने का शुद्ध पानी नहीं था क्षेत्र में कई समस्याएं थी। मैने वहां का दौरा किया और सीएम से 24 करोड़ रूपए स्वीकृत कराए आज उन आदिवासियों का जीवन बदल रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में उनकी समस्या को लेकर काम किए गए। सुश्री उईके को पत्रकारों द्वारा प्रशस्ती पत्र और शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। पूर्व प्रेस क्लब के अध्यक्ष रत्नेश जैन, आर.एस.वर्मा, गोविंद चौरसिया ने प्रेस क्लब को दिए गए सहयोग के लिए राज्यपाल सुश्री उईके की प्रशंसा की। प्रेस क्लब के अध्यक्ष सचिन पांडे एवं अन्य सभी पत्रकारों ने सुश्री उईके का स्वागत किया। अमित द्विवेदी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

प्रधानमंत्री से मिलकर कई समस्याओं का समाधान निकाला

राज्यपाल सुश्री उईके ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासियों की समस्या का हल निकालने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर उन्हें समस्या बताती थीं उसके बाद समाधान हो जाता था। उन्होने बताया कि उन्होने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को यह भी अवगत कराया है कि बड़ी बड़ी कंपनियां अक्सर आदिवासियों की जमीन पर भूमि अधिग्रहण कर बनाती हैं इस दिशा में उन्होने प्रधानमंत्री को अवगत कराया है कि जिन आदिवासियों की जमीन ली गई है उन्हें कंपनी में शेयर होल्डर बनाया जाए इस दिशा में भी काम हो रहा है।

अचानक मिलती है पद की जिम्मेदारी

सुश्री उईके ने कहा कि उन्हें अचानक ही किसी पद की जिम्मेदारी मिलने की सूचना मिलती है में जिस पद पर रही उसकी जिम्मेदारी का अच्छी तरह से निर्वहन किया है चाहे महिला आयोग के सदस्य के रूप में हो या अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष के पद रहते या फिर राज्यपाल के रूप में उन्हें अचानक ही पद मिलने की सूचना मिली।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री के विश्वास पर खरी उतरूंगी

राज्यपाल सुश्री उईके ने कहा कि छत्तीसगढ़ में राज्यपाल रहते हुए अच्छा काम किया है। मुझे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री द्वारा मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया है इसके लिए में उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूँ। मणिपुर में भी उनकी भावनाओं के अनुरूप कार्य कर खरी उतरूंगी।

डॉ. संजीवकुमार गोधा का देहपरिवर्तन

सत्पथ सहित अरिहंत एकेडमी ने दी श्रद्धांजलि

छिन्दवाड़ा । जैन जगत के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त युवा विद्वान सत्पथ प्रदर्शक, सर्वोदय अहिंसा के मार्गदर्शक एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के प्रदेश महामंत्री डॉ. संजीवकुमारजी गोधा का शुक्रवार की दोपहर में देहपरिवर्तन हो गया जिसकी खबर सुनकर छिन्दवाड़ा सहित संम्पूर्ण विश्व की सकल जिनवाणी तत्वरसिक जैन समाज शोकसंतत्व हो गई। सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश सयोंजक दीपकराज जैन का कहना है कि डॉ गोधा का 47 वर्ष की अल्प आयु में देहपरिवर्तन सकल जैन समाज की अपूर्णीय क्षति है। श्री गोधा जन्म से ही जिनशासन की छत्रछाया में पले पुसे और बड़े हुए वे महेंद्रकुमार गोधा के सुपुत्र प्रदीपकुमार चौधरी के दामाद एवं डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल के प्रिय शिष्यों में से एक पूज्य गुरुदेवश्री कानजी स्वामी के प्रभावना योग की प्रभावना में संलग्न देश-विदेश में वीतरागी निराकुल मार्ग की प्रेरणा देने वाले जैन रत्न, अध्यात्म चक्रवर्ती आदि अनेक उपाधियों से विभूषित थे। आप सामाजिक पत्रिका जैनपथ प्रदर्शक एवं वीतराग विज्ञान के संपादक थे। सत्पथ फाउंडेशन के ट्रस्टी सहित अनेक संस्थाओं के निर्देशक, शिविर, विधान सहित पंचकल्याणक महोत्सव के मार्गदर्शक रहे। आपने सत्पथ के माध्यम से हजारों हजार साधर्मियों को सत्पथ पर लगाया। शुक्रवार को डॉ. संजीवकुमार गोधा को अरिहंत इंटरनेशनल एकेडमी छिन्दवाड़ा में सर्वोदय अहिंसा, सहित संम्पूर्ण विश्व की मुमुक्षु समाज एवं सकल जैन समाज की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

G20 भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

मध्यप्रदेश शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिवज्योति अर्पणम्

21 लाख दीपों के अर्पण का महा उत्सव

महाकाल के दिव्य महालोक में महाशिवरात्रि

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

आईये ! त्रिभुवन वंदिता क्षिप्रा के तट को आस्था की जोत से जगमगायें
और अद्भुत, अलौकिक, आध्यात्मिक अनुभूति पायें।

18 फरवरी, 2023

सीधा प्रसारण DDMP @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11224/22

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2023